53rd Year in the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

July, 2016 No. 07 Vol XXXXXV

सृष्टि संवत् : 1,96,08,53,119 शकसंवत् 1938

आषाढ़-श्रावण 2073 दयानन्दाब्द 193 कलि संवत् 5118

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 55000

National President

SITARAM PAREEK

MOB.: 0-9322265975 (MUMBAI)

National Vice President (HQ) & Editor

DR. SURESH CHANDRA GUPTA

MOB : 09415334709 (FARRUKHABAD)

National Secretary General

AJAY DUTTA

MOB. : 09417016915 (CHANDIGARH)

National Finance Secretary

OM PRAKASH KANOONGO

MOB. : 09322295253 (MUMBAI)

National Organising Secretary

SACHIDANAND PANDA

MOB. : 09437506798 (BHUBANESWAR)

Chairman Prakashan

ATAM DEV

RESI : 011-27315696 (DELHI)

सूचनाएँ :-

- प्रान्तीय अध्यक्ष/महासचिव कृपया अपने प्रान्त की शाखाओं की सूची केन्द्रीय कार्यालय से यथाशीघ्र सदस्य सूची मंगवाकर उसमें संशोधित करके केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित करके उपडेट करवा लें।
- सदस्य सूची सितम्बर तक संशोधित न होने पर नीति प्रेषण स्थगित करने का प्रस्ताव है।
- अब केवल niti@bvpindia.com मेल के समाचार लिए जाएगें। केवल क्रियात्मक समाचार एक फोटो के साथ भेंजे। **सम्पादक**

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com

Published & Printed by S.K.Wadhwa for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : S.K.Wadhwa Printed at: BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322

सड़क कितनी भी साफ हो धूल तो हो ही जाती है, इंसान कितना भी अच्छा हो भूल तो हो ही जाती है!

CONTENTS

1.	सम्पादकीय	4
2.	संगठन के झरोखे से	5
3.	स्वास्थ्य	8
4.	Workshops	10
5.	यत्र-तत्र	13
6.	महिला सहभागिता के लिए कुछ सुझाव	15
7.	विविध गतिविधियाँ	19
8.	आओ कुछ हंस ले	30
9.	संस्मरण	31
14.	श्रद्धांजलि	34

विशेष :

1. संस्कृति, संस्कार, धर्म-युवा पीढ़ी के मागदर्शन, पृष्ठ संख्या-17 डॉ. संजीव जैन 'कंड़की' ललितपुर
2. डॉ. कलाम को विनम्र श्रद्धांजलि, पृष्ठ संख्या-29 देव नारायण भारद्वाज, अलीगढ़
3. अहंकार का अन्त, पृष्ठ संख्या 29, राजीव कंसल, बुलन्दशहर

जुलाई मास के पर्व एवं राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम

04 : विवेकानन्द पुण्य तिथी 06: जगन्नाथ रथ यात्रा, 10: परिषद् स्थापना दिवस, 19: गुरु पूर्णिमा/वेद व्यास जयन्ती, 23: बाल गंगाधर तिलक जयन्ती, 31: शहीद ऊधम सिंह पुण्य तिथि

Central & Regd. Office:
BHARAT VIKAS BHAWAN
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011- 27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : niti@bvpindia.com, bvp@bvpindia.com
website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy
Annual Subscription : Rs. 100.00

सम्पादकीय...

नमन् - डॉ. सूरज प्रकाश

परिषद् की कार्य प्रगति पर है। जो कार्यतर्त्ता आज परिषद् के प्रति समर्पित भाव से कार्य में लगे हैं उनमें से बहुत कम लोगों को डॉ. सूरज प्रकाश के व्यक्तित्व और कृतित्व का साक्षी बनने का अवसर मिला। मन में एक भाव उभरा आज के कार्यकर्ताओं को अपने संस्थापक महामंत्री के बारे में उस समय के यशस्वी महानुभावों ने उद्‌गार प्रकट किये उनकी वानगी देने का प्रयत्न किया जाए

जून, 1991 की नीति का अंक उनको समर्पित था। नीति के सम्पादक एस.पी जैन (मेरठ) ने उन्हें Dedication personified कहा। न्यायमूर्ति हंसराज खन्ना (तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष) - Dr. Suraj Prakash was the heart & soul of the organization. It was under his stewardship that BVP has now came to occupy a unique position as a socio cultural organization. श्री पी.एल.राही (तत्कालीन राष्ट्रीय महामंत्री) के शब्दों में A disciplined person a sticker of punctuality and propriety. न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा (उपाध्यक्ष) कहते हैं Dr. Suraj Prakash was a man of towering personality and indomitable determination. ठाकुर राम सिंह जी लम्बे समय परिषद् के केन्द्रीय मार्गदर्शक रहे उनके अनुसार His bigger contribution to the regeneration of the nation was Bharat Vikas Prishad. डॉ. महावीर, वीरेन्द्र मोहन त्रेहान, प्रकाश चन्द्र जी, पी.एन.सेठ, विजय राज तातेड़ (मुम्बई) गोविन्द नारायण, डॉ. एल.एम.सिंघवी, बलराज मधोक, रामेश्वर प्रसाद गोयल (प्रयाग), जे.पी. श्रीवास्तव (पटना) वी. सुब्बा राव (हैदराबाद) डॉ. शान्ति स्वरूप चढ्ढ़ा (जयपुर) आदि अनेक सहयोगी कार्यकर्ताओं ने उनके जीवन से प्रेरणा ली और परिषद् कार्य के लिए अपने को समर्पित किया। उस समय पंजाब प्रान्त की अध्यक्षा श्रीमती प्रेम एन. कुमार ने अपने नमन् वक्तव्य में कुछ घटनाओं का उल्लेख किया, इन्हें अन्यत्र प्रकाशित किया जा रहा है। आज हम छोटी बातो पर मतभिन्नता की प्रतिक्रिया कर देते हैं। डॉ.साहब का विश्वास था समग्रता का विचार करेंगे तो छोटी बातों के लिए स्थान नहीं है। आखिर हम महान् लक्ष्य लेकर चलें हैं।

अभी देश के कुछ प्रदेशों में चुनाव सम्पन्न हुए। केरल में वामपंथी दल विजयी रहे। जीत के नशे मे 70-80 भाजपा कार्यकर्ताओं को मार-मार कर अस्पताल पहुँचा दिया। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी जीती। भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं को पीटा। प्रत्याशी रूपा गांगुली जब बचाने गई तो उन्हें मार-मार कर अस्पताल पहुँचा दिया। चुनाव तो असम में भी हुए। भाजपा ने ऐतिहसिक जीत हासिल की। लेकिन वहाँ एक तिनका भी नहीं हिला। यही है Party with a difference.

हम एक विचार समूह के अनुयायी हैं। हमें अपनी मानवीय परम्पराओं और जीवन मूल्यों पर आस्था है। संगठन कोई छोटा बड़ा नहीं होतां सभी का अपना कार्यक्षेत्र होता है। सभी की अपनी कार्य पद्धति होती है। परन्तु राष्ट्रीय अस्मिता की सोच के कारण सभी का व्यवहार एक सा होता है। परिषद् की समस्त शाखाएँ एक विशाल भारतीय जीवन दर्शन के बट वृक्ष की ही शाखाएँ हैं। अन्ततः राष्ट्रहित का सोच, सम्पूर्ण समाज के कल्याण की सोच, विकास की सोच, देश को आगे बढ़ाने की सोच यही हमारी तपस्या है यही पाथेय है।

स्थापना दिवस पर आयोजन करते समय इन्हीं आदर्शों का विचार करें। दिवस की प्रासंगिकता के लिए एक सेवा कार्य का आयोजन सम्मिलित करें। केवल उपदेश, केवल भाषण हमें रोचकता तो दे सकते हैं, लेकिन सेवा का एक कार्य हमें मन की शान्ति प्रदान करता है।

-scguptafbd141@gmail.com

सूचनाएँ -

- संस्कार कार्यक्रमों के अन्तर्गत बाल संस्कार शिविर एक महत्वपूर्ण विषय है। यह आयोजन दिल्ली की जनकपुरी शाखा द्वारा अनेक वर्षों से किया जा रहा है। प्रत्येक रविवार 2 घंटे का आयोजन करते हुए 3 महीनों में एक सत्र चलाया जाता है। इस गैर आवासीय शिविर की कार्य योजना शाखा द्वारा जीवन विज्ञान पाठयक्रम पुस्तिका में प्रकाशित है।
- अंशु अग्रवाल का सुझाव है कि परिषद् सदस्यों को माह में एक बार निश्चित समय पर मंदिर मिलन कार्यक्रम में सपरिवार मंदिर जाने की योजना बनानी चाहिए। इससे धर्म के प्रति आस्था और एकता का निर्माण होगा।
- संस्कार प्रकल्प में 'भारत को जानो' पुस्तक के अनुकूल विद्यालयों में सहपाठ्य पुस्तक की मान्यता करवानी चाहिए। इससे प्रकल्प का प्रचार भी होगा और अधिकांश विद्यार्थियों तक पुस्तक पहुँच सकेगी।

देश की 6 आंचलिक कार्यशालाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इन कार्यशालाओं में आये दायित्वधारियों का उत्साह, सक्रियता और समर्पण चरम पर था। विभिन्न सत्रों के मुक्त चिन्तन में प्रस्तुत जिज्ञासाओं का भी संकेत यही था कि कार्य की गुणवत्ता और परिषद् की पहचान कैसे विकसित की जाए। संगठन की शक्ति की पूर्व शर्त है पूरी टीम की समान सोच। समाज कल्याण का काम करने वाले संगठन के सब कार्यकर्त्ताओं की सोच समान नहीं रही तो काम प्रभावी नहीं बन सकता है। इसके लिए सकारात्मक सोच और व्यक्ति निरपेक्ष सोच होना आवश्यक है।

एकला चलो! कार्यकर्त्ताओं को कभी कभी एकला चलो के सिद्धान्त पर काम करने की आदत होती है। स्वयं की क्षमता से कार्य करना, किसी का सहयोग न लेना यह भाव परिषद् की सामूहिक पद्धति के लिए उपयुक्त नहीं है। अत: इससे बचना चाहिए।

आर्थिक अनुशासन - समाज में काम करने वाले साधन सम्पन्न लोग साधारणत: प्रमाणिक होते हैं। प्रभावी सम्पन्न सामाजिक स्तर होने के कारण शाखा का वार्षिक शुल्क परिषद् के खर्चों का हिसाब, बजट, लेखा आदि साधारणत: ठीक रहते हैं। किसी अनियमितता की सम्भावना नहीं रहती है। परन्तु हमारी पारदर्शिता दिखाई पड़े यह भी आवश्यक है। पारदर्शिता के आभाव में यदि किसी सदस्य के मन में शंका रही तो यह कभी कभी बड़ी बहस का कारण बनती है।

समाज के लिए हमारा योगदान शाखा की बैठकें, परिवार मिलन आदि को छोड़कर जब किसी कार्यक्रम की रचना करें तो कार्यक्रम का उद्देश्य क्या है? समाज के किस वर्ग को इसका लाभ होगा? परिषद् की छबि में क्या प्रगति होगी? कितने लोगों को परिषद् से जोड़ा जा सकेगा? इन प्रश्नों पर विचार कर कार्यक्रम की रचना करनी चाहिए।

संस्मरण

[दुर्गा भाभी जिस महिला ने क्रान्ति की मशाल को जलाए रखा उनके अनछुए अनुभूत विचार]

क्रान्तिकारियों के बारे में कुछ कहना। पूरा कालखंड काल की एक-एक घटना, पूरा संघर्ष आँखों के सामने घूम जाता है। क्रान्ति इतिहास की धरोहर है। उस समय का जीवन, विचार कार्य ओर आदर्श दूर की बात हो गई है। उस समय गुलामी से जूझने की तत्परता थी। सिद्धान्तों की आत्मा केवल स्वाधीनता थी।

समय ने करवट बदली। क्रान्ति आगे बढ़ी। साम्यवाद, समाजवाद आया। हम स्वाधीन भी हो गये। देश में परिवर्तन हो गया। देश के टुकड़े हो गये। हजारों कट मरे इसे भी तो क्रान्ति ही कहा जाएगा। यही क्रान्ति है यही क्रान्ति युग है।

प्रश्न है क्रान्तिकारियों का। गाँधी जी ने हिंसा और अहिंसा के नाम पर उनका सफाया करने की कोशिश की। मुझे याद है मैं 1931 में भगत सिंह आदि को फाँसी से बचाने के लिए गाँधी जी से मिली थी। उन दिनों गाँधी इरबिन वार्ता चल रही थी। गाँधी जी ने फाँसी का मुद्दा उठाने से इंकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि हिंसा में विश्वास रखने वालों को वे कोई महत्व नहीं देते। स्वराज्य प्राप्ति के बाद कांग्रेस ने भी क्रान्तिकारियों को छूत की बीमारी माना।

आजादी के बाद कांग्रेस ने क्रान्तिकारियों को देशभक्त का दर्जा देने से ही मना कर दिया। कांग्रेस के लोग जानते थे कि इनको बढ़ने दिया गया तो अपना लंगर कहाँ जाएगा। यह भी ठीक होता यदि देश नये क्रान्तिकारियों को पैदा कर पाता। आखिर क्रान्तिकारी भी साधारण व्यक्ति होता है। वह लक्ष्य प्राप्ति के लिए बड़ा बलिदान करने को तैयार रहता है। पुराने क्रान्तिकारियों की गाथाएँ कितने लोगों का मनोरंजन कर पायेगी। कह नहीं सकते। अनुभवी क्रान्तिकारियों को विस्मृति की गोद में ढ़केलने से नई पीढ़ी का क्रान्तिकारी इस भ्रम में पड़ जाता है कि वह किसका अनुगमन करें, किसके पद चिन्हों पर चले।

संगठन

युवाओं की शक्ति पहचाने -

कुछ वर्षो से युवाओं में परिषद् के सेवा कार्यों के प्रति रूझान बढ़ा है। सामूहिक सरल विवाह और रक्तदान में युवाओं की अग्रणी भूमिका के प्रमाण अकसर प्राप्त होते हैं। एक शाखा के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में एक बड़े स्थायी प्रकल्प की घोषणा की गई। मंच पर बैठे अतिथि ने पूछा प्रकल्प की योजना के लिए कितने धन की आवश्यकता होगी। 50 लाख! मेरी ओर से। युवाओं के हौसले से 30 लाख की स्वीकृति पहले ही हो चुकी थी। यदाकदा हम युवाओं के हौसलों को पंख लगाने का काम हम वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को करना चाहिए। कई बार यह सूचना मिलती है कि हम बहुत कुछ कर सकते हैं, लेकिन पूर्ववर्ती अधिकारियों के हस्तक्षेप के चलते मन निराश हो जाता है। युवाओं को काम की कुछ जल्दी तो रहती है, परन्तु बड़े काम जुनून से होते हैं। समय निकल जाने पर युवाओं के उत्साह को ठंडा न होने दें।

FOR KIND ATTENTION OF PRANT OFFICE BEARERS

1) Submit Financial Statements with Audit Report and ITCO relating to FY 2015-16, if not done so far, as this is already overdue.
2) Deduct and deposit TDS in consultation with National Secretary (Finance) of your Region before making any payment of over Rs. 30,000/- to Professional and Rs 100,000/- to Contractor.
3) Inform to Delhi office by 10 July 2016 :
a) If any amount is receivable by you or by any of your branch from Delhi office as on 31st March 2016.
b) Account No. of the New Bank Account opened with the help of BVP Delhi Resolution.
c) The details of TDS deducted during the quarter ended 30 June 2016 and its deposit.
d) The amount received from branches for Delhi Office and its payment up to 30 June 2016.
e) Second Copy of Receipt Book used up to 30 June 2016 (including Receipts cancelled)
4) Speak freely to National Secretary (Finance) of your Region if you require any guidance on the matters connected with finance, accounts, taxation, etc.
5) Obtain Second Receipt book if used 45 Receipts of the First book and second copy of which have been submitted to Delhi Office.
6) Remit fortnightly to Delhi Office the amount received for it from branches.

-CA. O P Kanoongo, National Finance Secretary

राष्ट्रीय संगोष्ठी

संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

कानपुर में ज्वलन्त विषयों पर बुद्धिजीवियों के चिन्तन का दौर के अन्तर्गत संविधान में अभिव्यक्ति के विषय पर आयोजित राष्ट्रीय गोष्ठी में प्रो. सरोज राठौर ने संदर्भ व्याख्यान में लोकतंत्र में आज़ादी को बुनियादी पहलू बताया। इसीलिए आज़ादी के पैरोकार आज़ादी को नियंत्रित करने पर हमेशा बहस करते रहे हैं परन्तु स्वतंत्रता कभी भी अराजक और उच्छंखल नहीं हो सकती। डी.सी.ला. कॉलेज के नवाब आलम ने संवैधानिक व्याख्यान करते हुए आज़ादी पर लगाये गये निर्बन्धनों पर सटीक टिप्पणी की। राष्ट्रीय संरक्षक रामशरण श्रीवास्तव ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लोकतंत्र की नीव बताते हुए अनुशासन के अन्तर्गत मिली आज़ादी है। इसमें देश को कमजोर करने की छूट अपेक्षित नहीं है। केन्द्रीय विद्यालय की डॉ. मीरा दुबे ने बुनियादी अधिकारों की अमर्यादित हिंसात्मक और उच्छंखल तस्वीर पेश की। युवा पीढ़ी को समझना चाहिए कि आज़ादी का मर्यादित प्रयोग ही इस अधिकार को सार्थक बना सकता है। डॉ. एम.एल.अग्रवाल ने वर्तमान परिवेश में स्वतंत्रता के अमर्यादित स्वरूप पर चिन्ता व्यक्त की तथा शिक्षकों और शिक्षण संस्थाओं को राजनैतिक विचारधारा से मुक्त रखने का आह्वान किया। गुरुनानक महाविद्यालय की डॉ. अनुभा कुमार तथा रामकुमार शुक्ल ने आजादी के वरदान को अभिशाप में न बदलने तथा सोशल मीडिया के प्रसार से बनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की टूटती सीमाओं पर नियंत्रण न होने की चिन्ता जताई। गोष्ठी की संयोजिका डॉ. आशा त्रिपाठी (पूर्व प्राचार्या) ने लोकतंत्र के इस वरदान को अभिशाप में बदलने की गवाही दी। उन्होंने पूछा कि क्या अभिव्यक्ति की आजादी शान्ति व्यवस्था और कानून की कीमत पर भी दी जानी चाहिए। अभिव्यक्ति की सीमाओं को हमें तय करना होगा जिससे कोई व्यक्ति या समूह राष्ट्रीय अस्मिता को क्षति न पहुँचा सके। गोष्ठी का कुशल संचालन सोशल रिसर्च फाउण्डेशन के सचिव राजीव मिश्रा ने किया।

मातृ दिवस पर विशेष

बेसन की सोंधी रोटी पर खट्टी चटनी जैसी माँ याद आती है, चौका, वासन, चिमटा, फुकनी जैसी माँ, बान की खुरी खाट के ऊपर हर आहट पर कान धरे आधी सोई आधी जागी थकी दुपहरी जैसी माँ, चिड़िया की चहकार में गूँजे राधामोहन अली अली मुर्गे की आवाज पे खुलती घर की कुड़ी जैसी माँ। बीबी, बेटा, बहन, पड़ोसन थोड़ी मोटी सी सब में दिन भर इस रस्सी के ऊपर चलती नटनी जैसी माँ। बाद के अपना अपना चेहरा माथा, आँखें, जाने कहा गई फटे पुराने इक अलबम में चंचल लड़की जैसी माँ।

- निदा फाजली

पर्यावरण पर युवा रचनाकार की प्रस्तुति

पेड़ की व्यथा

मैं हूँ पेड़।
नीम, बबूल, आम, बड़, पीपल,
सागवान, सीसम और चन्दन का पेड।
मैं हूँ पेड़।
मैं तुम्हें सब कुछ देता।
फूल देता, फल देता।
सूखने के बाद लकड़ी देता।
और जो है सबसे आवश्यक कहलाती है जो प्राणवायु
ऐसी ऑक्सीजन वो भी मैं ही तुम्हें देता।
मैं हूँ पेड़।
मैं तुम्हें सब कुछ देता।
बदले में तुमसे क्या लेता, कुछ भी तो नहीं लेता।
और तुम मुझे क्या देते? बताओ तो जरा।
हाँ लेकिन तुम
काटते हो मेरी टहनियाँ, मेरी शाखाएँ, मेरा तना
मुझे लंगड़ा व लूला बनाते हो।
मैं हूँ पेड़।
मैं तुम्हें सब कुछ देता।
तुम रूठ जाओ तो क्या होगा नुकसान?
कुछ भी नहीं फिर भी तुम्हें मनाती हैं माँ और बहन
मैं रूठ जाऊँ तो क्या होगा? कौन मनाएगा मुझे।
और मैं नहीं माना तो!
ऑक्सीजन कौन देगा तुम्हें।
वर्षा भी नहीं होगा, पानी नहीं मिलेगा।
सूर्य के प्रकोप से कौन बचाएगा
पथिक को विश्रम कहा मिलेगा।
तुम्हें फल, फूल, दवा और लकड़ी कौन देगा।
सोचा है तुमने कभी?
मैं हूँ पेड़।
मैं तुम्हें सब कुछ देता।
मैने देखा है आप मुझे लगाने के नाम पर रेकार्ड बनाते हो
लगाते दस और बताते सौ है और चल पाते हैं
उनमें से भी मात्र कुछ पेड़ बताओ मुझे।
तुमने जो पेड़-पौधे लगाए उनको पानी कितनी बार दिया।
कितनों की सुरक्षा की और पेड़ बनाया।
हाँ मैं स्वयं जब अपनी संतति फैलाने की कोशिश करता हूँ।
अपने बीजों को हवा से दूर-दूर फेंककर उगाना चाहता हूँ।
तो तुम उसमें भी डाल रहे हो रूकावट।
बताऊँ कैसे?
तुमने जमीन को पॉलिथीन की थैलियों से बंजर बना दिया है
इन थैलियों ने जमीन में फैला रखा है अपना साम्राज्य।
ये थैलियाँ मेरे बीज को, मेरी जड़ों को जमीन में जाने नहीं देती।
मुझे उगने को, पनपने को, जगह नहीं देती।
अगर यह स्थिति रही तो, एक दिन धरा हो जाएगी मुझसे वीरान
मिट जाएगा धरा से मेरा नामो-निशाँ
भला मेरा तो इससे क्या जाएगा
पर बताओ मानव ऑक्सीजन कहाँ से पाएगा।
मैं हूँ पेड़। मैं तुम्हें सब कुछ देता।
मुझे लगाकर ऐसे ही छोड़ देने वाले
मेरे नाम पर रेकार्ड बनाने वाले
मेरी परवरिश नहीं करने वाले, तुम्हें तो सजा मिलनी चाहिए।
सजा भी ऐसी वैसी नहीं बल्कि
भ्रूण हत्या करने वाले को मिलती है जैसी।
वोही सजा ऐसे लोगों को मिलनी चाहिए
क्योंकि पौधों को लगाकर उनकी रक्षा न करना
उसे मरने के लिए छोड़ देना भ्रूण हत्या के समान है।
मुझे यह सब कहना पड़ा।
अपनी पीड़ा को व्यक्त करना पड़ा
क्योंकि मैं चाहता हूँ आपका भला
आप भी चाहो मेरा भला
मैं हूँ पेड़।
मैं तुम्हें सब कुछ देता।

-**दिव्या कुमारी जैन**, कक्षा-12 (चित्तौड़गढ़)

बड़ौत, पश्चिमी उत्तर प्रदेश : शाखा द्वारा बड़ौत के व्यवसायी श्री विनोद जैन के निधन पर उनकी इच्छा से नेत्र दान कराया गया। डॉ. विकास ने बताया कि इस नेत्रदान से दो लोगों को रोशनी प्राप्त हो सकेगी।

हापुड़ : शाखा द्वारा चिकित्सा शिविर में 200 मरीजों का हेपेटाइटिस का परीक्षण किया गया। सात दिवसीय बालिका विकास शिविर का आयोजन किया गया। संयोजिका रजनी अग्रवाल द्वारा बच्चों को थर्मोकोल के सजावटी सकामन बनाने, नृत्य, मेंहदी, सिलाई ब्यूटिशियन का प्रशिक्षण दिया गया। चेयरमैन मालती भारती ने शिविर को उपयोगी बताया।

साहिबाबाद विराट : शाखा द्वारा नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। 125 मरीजों ने जांच कराई।

बकेवर, ब्रह्मावर्त : ग्वालियर कैंसर संस्थान के डॉक्टरों की टीम द्वारा बकेवर नगर में कैंसर परीक्षण एवं जागरूकता कैंप लगाया गया। चिकित्सकों ने कैंसर के कारणों तथा बचने के उपाए बताए। 87 मरीजों का परीक्षण किया गया। 19 रोगियों को ग्वालियर बुलाया गया।

अरोकिया बेलूमनी

तमिलनाडु के किसान परिवार में जन्में 57 वर्षीय बेलूमनी का जीवन अभावों का जीवन रहा। 1979 में 20 साल की आयु में एक दवा कम्पनी में रुपये 150/- मासिक की नौकरी से शुरू हुआ सफर रूकने लगा। कम्पनी बंद हो गई। संघर्ष करते भाभा रिसर्च सेन्टर में लैब अस्टिंट की नौकरी मिली। 1995 में थायरायड बायों केमिस्ट्र में पी.एच.डी. थायरायड लैब खोलने का फैसला किया। मुम्बई के बाईकुला में 1 लाख रुपये की लागत से टेस्ट लैब खोलने का सफर आज थायराइयड की सबसे कम्पनी थायरोकेयर बन गई। 3377 करोड़ की कम्पनी में 1122 जांच केन्द्र हैं। कई देशों को जांच की सुविधा देने वाली इस कम्पनी में खून के एक सैम्पल से 84 टेस्ट हो जाते हैं। सफलता के लिए बधाई बेलूमनी।

वरूणा-वाराणसी, काशी प्रदेश : विकलांग पुनर्वास केन्द्र तथा सेरेब्रल पालसी के लिए जन कल्याण हस्पताल की गतिविधियों ने एक बड़ा स्वरूप लेना प्रारंभ किया हैं हांगकांग निवासी दादाकान लखानी ने केन्द्र का भ्रमण किया। एसी ताबूत का सहयोग दिया। रमेश लालवानी के प्रयास से लगभग 20 हृदय रोगियों को बड़ी आर्थिक सहायता दिये जाने की जानकारी होने पर उन्होंने परिषद् के हृदय रोग ऑपरेशन के बारे में सहयोग की आश्वासन दिया। लखानी दम्पति को शाखा द्वारा स्वर्ण वैवाहिक वर्षगाँठ पर सम्मानित किया गया।

नारायणपुर : शाखा द्वारा शिव शंकरी धाम कैलहर में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. सत्य प्रकाश सिंह सर्जन ने सवोए दी।

तात्याना जवोट्ना

मास्को की शिक्षक रही तात्याना एक ऐसे गुरु के रूप में जानी जाती है जिनके पास आध्यात्मिक शान्ति पाने का मार्ग है। जिज्ञासा जीवन की नई राह खोलती है। लगभग 10 साल पहले एक गुरु का प्रवचन सुनते उन्हें भारतीय संस्कृति के बारे में जानने की जिज्ञासा हुई। उन्हें गायत्री मंत्र जपने को कहा गया। इस मंत्र से उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आने लगे और वे वातावरण को वेहतर तरीके से समझने तथा शान्ति बांटने की क्षमता विकसित करने लगी। उन्होंने रूसी में गायत्री मंत्र का अनुवाद किया। साप्ताहिक यज्ञ और प्रवचन तथा प्रसाद वितरण उनकी दिनचर्या है।

सांचौर, राजस्थान पश्चिम : सांचौर ट्रस्ट के द्वारा हॉस्पिटल में 886 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। गेरीबेन सिरेमल जी बुरड़ द्वारा नि:शुल्क दवाई प्रदान की गई। फिजियोथेरेपी सेन्टर में 495 मरीजों को सेवा प्रदान की गई।

सुमेरपुर-शिवगंज : शाखा द्वारा पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह चौधरी की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सभी रक्तदाताओं को परिचय पत्र तथा रक्त समूह कार्ड दिये गये। शिविर में 26 यूनिट रक्त एकत्र हुआ।

मदनगंज-किशनगढ़ राजस्थान मध्य : शाखा अंगदान में देश की अग्रणी शाखा बन गई है। अब तक 147 जोडे नेत्र दान कराये गये है। देहदान की प्रक्रिया में अब तक कृष्ण कान्त शर्मा, शान्तिलाल सेठी एवं भंवर लाल जी का देह दान सम्पन्न हो चुका है। शाखा द्वारा अजमेर नेत्र बैंक के सहयोग से 1 जोड़ा नेत्रदान कराया गया।

आदर्श अजमेर : शाखा द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. अनिल माथुर, प्रदीप भार्गव, हेमंत भगतानी, रमेश गुप्ता ने सेवाएं प्रदान की। नेत्र ऑपरेशन तथा दवाएं नि:शुल्क प्रदान की गई।

भामाशाह, राजस्थान दक्षिण : शाखा द्वारा प्रोस्टेट जांच शिविर में 50 वरिष्ठ नागरिकों की 30% छूट पर जांच की गई। डॉ. भुजन भटिया ने बताया कि 60 वर्ष के बाद प्रोस्टेट बनने की संभावना अत्यधिक होती है। अत: जांच आवश्यक है। अध्यक्ष यशवंत कुमार बोलिया ने धन्यवाद दिया।

THOUGHTS OF LATE DR. K.L. GUPTA FORMER SECY. GENERAL

1. In medical field we should lay more emphasis on preventive approach and curative approach, there will be need of awareness programmes.
2. Mini Yoga camps should be promoted at branch level.
3. One should not expect to more from branch to state to zone and lastly at the center. He should give his best at the place where he is.
4. Publication of more books on Sanskar is needed
5. Wider use of IT in linking the youth of the country.
6. Publicity of activities and not of a person.
7. Strengthing Sampark inside the organization

छीपाबड़ौत, राजस्थान दक्षिण पूर्व : 72वाँ नेत्र शिविर 240 रोगियों की जांच की गई। 40 ऑपरेशन के लिए भेजे गये। कुल ऑपरेशन 11719 **बधाई छीपाबड़ौत**।

आनन्दपुर नेत्र चिकित्सालय-छीपाबडौत : नेत्र चिकित्सालय ने छीपा बड़ौत शाखा के सहयोग से गत 6 वर्षों में 72 नेत्र जोच शिविरों को आयोजन किया जिसमें 40 हजार मरीजों की जांच हुई और 12 हजार ऑपरेशन लेंस प्रत्यारोपण कराये गये। संस्था के सरंक्षक ने शाखा सचिव धीरज वाटला और प्रभारी नरेन्द्र को सम्मानित किया।

रावतभाटा : शाखा द्वारा कोटा अस्पताल के सहयोग से विकलांग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 23 विकलांगों की पहचान की गई। 17 विकलांगों को कृत्रिम अंग लगाये गये। श्री कमल कुमार सुरेखा, ओम प्रकाश चतुर्वेदी ने व्यवस्था संभाली।

विकलांग ट्रस्ट लुधियाना, पंजाब उत्तर : ट्रस्ट द्वारा अप्रैल, 2016 से 4 विकलांग शिविरों के द्वारा 223 अंग लगाये गये। पोलियो सर्जरी के लिए 14 ऑपरेशन नि:शुल्क किये गये। पोलिक्लीनिक के अन्तर्गत 1416 मरीजों का उपचार किया गया।

CLARIFICATION

The renovation of Adiwasi School at Kashimira is sponsored by Vedic Meera Road branch of Mumbai. A sum of Rs. 20 lakh was consumed in repairing work. Clearfield in NITI June 2016. Page no. 23 – Editor

अरबन स्टेट जालंधर, पंजाब उत्तर : शाखा द्वारा चिकित्सा शिविर नारायण मंदिर में लगाया गया। डॉ. विनीत महाजन हृदय रोग विशेषज्ञ व 146 मरीजों की जांच की। मधुमेह, बी.पी., ईसीजी की नि:शुल्क जांच की गई। शिविर पी.आई.एम.एस अस्पताल के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

गोविन्द-सोनीपत, हरियाणा दक्षिण : शाखा द्वारा राजकीय अस्पताल में रक्त की कमी की जानाकरी मिलने पर परिषद् ने रक्तदान शिविर का आयोजन कर 70 यूनिट रक्तदान किया । रक्तदान प्रभारी वाई.के.त्यागी उपस्थित रहे। शाखा द्वारा कौशल विकास एवं व्यक्तित्व विकास शिविर लगाया गया। 40 निर्धन परिवार के बच्चों को हथकरघा तथा वेस्ट मैटीरियल सामान बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

टोहाना, हरियाणा पश्चिम : शाखा द्वारा टायफाइड से बचने के लिए 350 लोगों को टीके लगाये गये। 16वं स्थापना दिवस पर कुश भार्गव ने 28वीं बार, अनूप कुमार को 16वीं तथा क्किी ने 21वीं बार और दीपक ने 21वीं बार रक्तदान किया। नव वर्ष पर दो दिव्यांगों को ट्राईसिकिल तथा विधवाओं को सिलाई मशीन दी गई।

हांसी : शाखा द्वारा ब्लड डोनर्स इंडिया के सहयोग से रक्तदान शिविर में 138 यूनिट रक्तदान किया गया। प्रथम रक्तदानी राम निवास लोहान अबतक 94 बार रक्तदान कर चुके हैं।

वीर तात्याटोपे-शिवपुरी, मध्य भारत उत्तर : शाखा द्वारा नीमडाडा में चिकित्सा शिविर जगाया जिसमें 103 मरीजों का परीक्षण किया गया। बच्चों तथा महिलाओं को स्वास्थ्य की सावधानियाँ बताई गई। गर्मी से बचाव के लिए ओ.आर.एस. घोल के पैकेट बांटे गये। पक्षियों के जल व्यवस्था के लिए परिण्डे लगायेग गये

G.K. - I (Delhi South): Branch organized three medical camps in association with Apolo Hospital. Specialists were Ortho, Urology, and ENT. BMD, BP, Sugar, RBS and Uroflowmetry test were done. 70 patients got benefited. On the celebration of Ramnavmi Smt. Promila Grover spoke the life of Rama. Member also collected grocery for old age home in the area.

Birjhora (Assam): A *Free Medical Checkup Camp* was organized at L.P. School Simlagiri. 125 patients were checked up, Free medicines were distributed. Dr. Rajni Kumar Sharma conducted the camp, medical convenors Bipulanand Sharma helped the medical team. Another camp was organized at new Bogaigaon. 145 patients were checked up by Dr. K.N.Dev Sharma.

Porvorim (Goa): Branch was inaugurated by Eye Surgeon Dr. Chandra Kant Shelye and collector South Goa Shri Swapnil Naik. State president Dr. Pundalikpai Kakode were present

Puri (Odisha): A *Health Camp* was organized to measure bone density for 90 patients. Blood Sugar Test for 97 persons and physiotherapy for 47 patients. Convener Dr. N. C. Das and Sr. Ajit Mohanty organized the camp. The branch observed *International Environment* Day and planted saplings in the presence of members.

***

4 जुलाई, 2016 स्वामी विवेकानन्द जी की 114वीं पुन्यतिथि

स्वामी विवेकानन्द, जिनका नाम आते ही मन में श्रद्धा और स्फूर्ति दोनों का संचार होता है। श्रद्धा इसलिए, क्योंकि उन्होंने भारत के नैतिक एवं जीवन मूल्यों को विश्व के कोने-कोने तक पहुँचाया और स्फूर्ति इसलिए, क्योंकि इन मूल्यों से जीवन को एक नई दिशा मिलती है। स्वामी जी की अनमोल विचार :-

1. उठो, जागो और तब तक रूको नहीं जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए।
2. जब तक जीना, तक तक सीखना-अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।
3. पवित्रता, दृढ़ता और उद्यम-ये तीनों गुण मैं एक साथ चाहता हूँ
4. ज्ञान स्वयं में वर्तमान है, मनुष्य केवल उसका अविष्कार करता है।
5. जब कोई विचार अनन्य रूप से मस्तिष्क पर अधिकार कर लेता है तब वह वास्तविक भौतिक या मानसिक अवस्था में परिवर्तित हो जाता है।
6. हमारी नैतिक प्रकृति जितनी उन्नत होती है उतना ही उच्च हमारा प्रत्यक्ष अनुभव होता है, और उतनी ही हमारी इच्छा अधिक बलवती होती है।
7. तुम अपनी अंत:स्थ आत्मा को छोड़ किसी और के सामने सिर मत झुकाओ। जब तक तुम यह अनुभव नहीं करते कि तुम स्वयं देवों के देव हो, तब तक तुम मुक्त नहीं हो सकते।

ये हमें जीने की प्रेरणा देती है।

स्वामी जी की 114वीं पुन्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

REGIONAL WORKSHOP (SOUTH)

Regional Workshop of Southern States of Andhra, Telangana, Tamilnadu, Karnatak and Kerala were conducted at Bangluru. Shri Ajay Datta Secretary General. Suresh Jain Addl. National Organising Secretary, Yash Pal Gupta Chairman Sewa, O.P. Kanungo National Finance Secretary, Sampat Khurdia National Controller of Account with N. Daulath Rao regional president and Savitri Varshney Chairperson - Mahila Sahbhagtia were present. Expansion and target of the branches were discussed at length. New constitution and rules were discussed. N. Daulath Rao administrated the oath to the state office bearers. R.C. Jain Addl. Secy. General spoke on BVP activities. Yashpal Gupta and Savitry Varshney spoke on Sewa Projects and Mahila Sahbhagita, Sampark of VIP. A member of importance for BVP S.N. Panda Ji discussed the new projects of Beti Bachao, Drug Addiction, Rain Water Harvesting and Saral Vivah. Shri CNN Raju Paid vote of thanks.

प्रान्तीय कार्यशालाएँ

दिल्ली पूर्व : प्रान्तीय कार्यशाला ताहिरपुर के भारत विकास फाउण्डेशन भवन में सम्पन्न हुई। 13 शाखाओं के पदाधिकारियों ने भाग लिया। श्री सुरेन्द्र कुमार वधवा ने सेवा प्रकल्पों की प्रासंगिकता, श्री विनीत गर्ग ने शाखा विस्तार तथा शशि आजाद ने संस्कार प्रकल्पों पर प्रशिक्षण दिया। श्री निधीश गुप्ता, मदन मलिक उपस्थित रहे।

दिल्ली उत्तर : प्रान्त की महिला सहभागिता में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति जितेन्द्रवीर गुप्त ने 2005 में महिला सहभागिता के लिए एक प्रेरक वाक्य दिया। नारी जगे, परिवार जगे, राष्ट्र जगे, विश्व जगे। नारियों की जागरूकता से ही राष्ट्र का उत्थान हो सकता है। दिल्ली प्रान्त का सुझाव है कि 21 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक भगिनी निवेदिता के जीवन को स्मरण किया जाए। शिक्षा के लिए साक्षरता, कैरियर काउन्सिलिंग संस्कार केन्द्र, स्वास्थ्य के लिए जागरूकता तरुणी स्वास्थ्य आदि सम्पन्न किये जाए।

दिल्ली उत्तर पूर्व : 22 मई को प्रान्तीय कार्यशाला में 18 प्रान्तीय पदाधिकारी तथा 12 शाखाओं के पदाधिकारी कार्यशाला में उपस्थित हुए। अध्यक्ष श्री सुशील गर्ग, महासचिव डी.आर.चौधरी तथा प्रान्तीय पदाधिकारियों ने शाखा के दायित्वधारियों को शाखा विस्तार, सेवा तथा संस्कार प्रकल्पों का प्रशिक्षण्धा दिया। श्री विनीत गर्ग तथा श्री सुरेन्द्र कुमार वधवा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के अतिरिक्त नीधीश गुप्ता, मदन मलिक, श्रीमती शशि आजाद ने प्रान्त में शाखा विस्तार की सराहना की। कार्यशाला विकलांग केन्द्र भारत विकास फाउण्डेशन के सभागार में सम्पन्न हुई। प्रान्त में गौसेवा, नेत्रदान शिविर के लिए रामनगर घौड़ा शाखा को प्रशस्ति पत्र दी गई।

पंजाब दक्षिण : प्रान्तीय कार्यशाला में 25 शाखाओं के 156 प्रतिनिधि उपस्थित हुए। कार्यशाला में अनिल कालिया, हरिन्दर गुप्ता, डॉ. राजेशपुरी ने संस्कार, सेवा प्रकल्पों के अलावां शाखा विस्तार और नये नियमों की जानकारी दी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कुमार वधवा ने मुक्त चिन्तन में जिज्ञासा समाधान किया। श्रीनिवास बिहानी ने 16-17 की कार्य योजना का लक्ष्य निर्धारित किया।

जम्मू-कश्मीर : प्रान्त की कार्यशाला में 60 पदाधिकरियों को परिषद् की कार्य पद्धति तथा दायित्वधारियों की भूमिका का प्रशिक्षण श्री राकेश सहगल, राष्ट्रीय मंत्री द्वारा दिया गया। डॉ. संतोष गुप्ता ने संस्कार प्रकल्प, श्री टी.सी. टैगर ने शाखा के लेखा नियमों के बारे में प्रशिक्षण दिया। एम.एल. वैद ने प्रान्त में शाखा विस्तार की योजना प्रस्तुत की।

कोशी बिहार : प्रान्तीय कार्यशाला में कोशी बिहार प्रान्त की समस्त शाखाओं के दायित्वधारी प्रशिक्षण के लिए उपस्थित हुए। बिमल कुमार जैन ने नये पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। रीजनल मंत्री प्रमोद कुमार अम्बष्ठ ने संस्कार प्रकल्पों का प्रशिक्षण दिया। श्रीमती अनीता देवी, शिव प्रकाश भारद्वाज, किशोर मिश्रा ने प्रकल्पों पर प्रशिक्षण दिया। श्री बिमल जैन ने विकलांग पुनर्वास, वनवासी सहायता, पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं ग्राम विकास पर प्रकाश डाला। 50 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अदिति ने खड़ी की 2 करोड़ की कम्पनी

छतरपुर से स्नातक किया। फैशन डिजायनिंग में जाना चाहती थी। परिवार ने मना कर दिया। मार्केटिंग में रूचि थी तो एम.बी.ए. कर लिया। खुद का व्यापार शुरू कर दिया। हैंड मेड कार्ड। थोडे समय में विदेशों से आर्डर मिलने लगे। परिवार ने फिर काम बन्द करवा दिया। टीचर की नौकरी करते अदिति ने इंजीनियर बाबू नाम से स्टार्ट अप शुरू किया। नौकरी छोड़ दी। स्टार्ट अप मोटर बाबू शुरू किया। यह कम्पनी कार की मरम्मत, गाड़ी की ऑनडोर सर्विस देती है। अदिति का वार्षिक टर्न ओवर 2 करोड़ है। आत्म बल और दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो सफलता कदम चूमती है।

महिलाओं के लिए विशेष

शहद के पाँच अमेज़िग ब्यूटी बेनेफिट्स

शहद को दूध या टोस्ट के साथ खाने से ही नहीं बल्कि इसे स्किन पर लगाने से भी कई फायदे हैं। तो अगली बार जब भी आप शहद खरीदने जाएं तो छोटा नहीं, बल्कि बड़ा डब्बा खरीद कर लाएं क्योंकि इस अमेज़िंग शहद में कई स्किनकेयर प्रोडक्ट की जगह लेने की क्षमता है। जी हाँ, ये सच है इसलिए यहाँ जानिए कैसे शहद आपकी स्किन में भी मिठास ला सकता है।

1. **प्राकृतिक नमी प्रदाता** – शहद हवा से नमी को प्राप्त कर त्वचा में नमी को पूरा करता है। अपने चेहरे को धोकर पानी सुखा लें। चेहरे को धोकर किसी कपड़े से पोछकर सुखा लें और शहद की पतली सी लेयर चेहरे पर लगाएं इसे ज्यादा क्वांटिटी में न लगाएं नहीं तो ये बहकर आपके गर्दन और कंधों तक आ जाएगा। 20 मिनट के बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।
2. **पिंपल्स की परेशानी को करे दूर** – टीन्स में होने वाली इस आम समस्या का एक मात्र हल है–शहद। शहद में एंटीबैक्टेरियल और एंटीफंगल प्रोपटीज़ होती है, जो एक साथ मिलकर बैक्टरिया के खिलाफ काफी ताकत के साथ लड़ते हैं। मुँहासे से जल्द छुटकारा पाने के लिए शहद में हल्की सी दालचीनी पाउडर मिलाकर चेहरे पर लगायें कुछ घंटों के बाद इसे धो लें और फिर क्या देखिए कैसे मुँहासे अपना बोरिया बिस्तर समेटकर हमेशा के लिए दूर चला जाएगा।
3. **पपड़ी और झुर्रियों से छुटकारा** – बेकिंग सोडा के साथ मिलाने पर इसका 2.1 अनुपात में प्रयोग करने से चेहरे की चमक लौट आती है।
4. **दाग-धब्बों को करें कम** – आपकी स्किन के वे दाग–धब्बे जिनकी वजह से आप हर समय परेशान रहते हैं, वो शहद के इस्तेमाल से हमेशा के लिए दूर हो सकते हैं। शहद न सिर्फ आपकी स्किन को निखारता है बल्कि अपने एंटीबैक्टेरियल और एंटी–इंफ्लेमेंटरी विशेषताओं के कारण दाग–धब्बों को भी कम करता है और साथ ही एक कैटेलिस्ट की तरह टिश्यू के री–जेनेरेशन में मदद करता है। शहद और नारियल तेल को समान मात्रा में मिलाएं और इसे अफेक्टेड एरिया में लगाएं। नारियल तेल, शहद की उपचार की यौगिक को शेयर करता है और दोनों साथ मिलकर दाग–धब्बों को कम कर देते हैं। एक रात में किसी चमत्कार की न सोचे, इसे रेगुलर इस्तेमाल करें और फिर फर्क को महसूस करें।
5. **फेसपैक** – शहद से बना मास्क काफी आसानी से मिल जाता है और इसे लगाना भी उतना ही आसान है। शहद, नींबू का रस और बादाम के तेल को एक कटोरी में मिला लें और अपने चेहरे पर लगाएं। इसे चेहरे पर 20 मिनट लगाकर रखें और फिर धो लें। बेहतर रिज़ल्ट के लिए इस प्रोसेस को दोहरायें।

सिंहस्थ महाकुभ 2016

सदी का सबसे बड़ा धार्मिक समागम सिंहस्थ महाकुंभ 2016 उज्जैन में सम्पन्न हुआ। इसमें लगभग 8.5 करोड़ श्रद्धालुओं की उपस्थिति 1 माह में हुई। इस महाकुभ में पांडाल लगाने का दायित्व भारत विकास परिषद् मध्य भारत पश्चिम प्रान्त को दिया गया जिसमें मध्य प्रदेश शासन द्वारा 18000 वर्ग फीट भूमि मुख्य क्षेत्र बड़नगर रोड़ पर आवंटित करवाई गई। इस पांडाल एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन महामंडलेश्वर श्री हरि चैतन्य जी ब्रह्मचारी जी के कर कमलों के द्वारा एवं श्री पारस जी जैन (केबिनेट शिक्षा मंत्री, म०प्र०शासन), श्री माखनसिंह चौहान (अध्यक्ष केन्द्रीय सिंहस्थ समिति) श्री प्रकाश चित्तौड़ा (अध्यक्ष सिंहस्थ सेवादल उपसमिति) की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

आवंटित पांडाल में पूरे भारत वर्ष से आने वाले परिषद् के सदस्यों के लिए आवासीय व्यवस्था की गई। प्रान्त के बाहर से आने वाले सदस्यों के लिए सशुल्क व्यवस्था की गई थी। इस सुविधा का लाभ लगभग 517 सदस्यों ने लिया। पांडाल में संस्था के प्रचार–प्रसार के मुख्य उद्देश्यों के लिए परिषद् के देश भर में किये जा रहे सेवा एवं ग्राम विकास के कार्यों को मुख्य रूप से प्रतिबिम्बित करके एक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे देशभर से आये लोगों एवं श्रद्धालुओं से सराहा।

वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की प्रदर्शनी – आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या धरती का गिरता जल स्तर है। इसको ध्यान में रखते हुए परिषद् ने प्रदर्शनी के माध्यम से रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के चलित मॉडल के द्वारा पानी को सहेजने एवं बचाने के तरीकों का प्रदर्शन किया। जिसे मेले में पधारे हजारो श्रद्धालुओं ने इसके महत्व को समझा एवं इसे अपने घर एवं संस्थाओं में अपनाने का विचार किया।

– **मुकेश लड्ढ़ा**, प्रान्तीय अध्यक्ष, मध्य भारत पश्चिम

यत्र तत्र

- बून्दी (राजस्थान दक्षिण पूर्व) की नियति सक्सैना को कक्षा 12 विज्ञान में प्रथम स्थान मिलने पर सम्मानित किया गया।
- रुड़की अविरल गंगा शाखा ने अनाथ बच्ची का विवाह सम्पन्न कराया।
- शुभ समाचार – महाराष्ट्र कोन्कन प्रान्त में मीरा रोड आदिवसी स्कूल के भवन का पुनर्निर्माण परिषद् द्वारा सम्पन्न कराया गया। भवन के लोकार्पण के लिए महामहिम राज्यपाल श्री विद्यासागर राव को निमंत्रित किया गया।
- पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र के पत्तन एवं पट्टी शाखा द्वारा शव फ्रिज एवं सिलाई मशीन प्रदान की गई।
- आदर्श शाखा अजमेर (राजस्थान मध्य) द्वारा 101 परिण्डे नगर में स्थापित किये गये।
- धरमकोट (पंजाब दक्षिण) शाखा द्वारा 300 मरीजों की नेत्र जांच की गई।
- उत्कर्ष मेरठ (हस्तिनापुर) शाखा द्वारा डॉ. सूरज प्रकाश जयन्ती पर बुजुर्गों के सम्मान में पोस्टर बनाये गये।
- लाडवा (हरियाणा उत्तर) शाखा द्वारा दन्त जांच शिविर में 332 छात्राओं की जांच की गई।
- इसनपुर-अहमदाबाद (गुजरात मध्य) शाखा द्वारा स्वास्थ्य शिविर में पुलिसकर्मी परिवारों का चेकअप कराया गया।
- राजसमंद (राजस्थान मध्य) शाखा ने मोक्षधाम में पक्षियों के लिए 40 परिण्डे बांधे गये।
- देवबन्द (हस्तिनापुर) शाखा द्वारा रक्तदान शिविर में 56 लोगों ने रक्तदान किया।
- छत्रवाल (पंजाब उत्तर) शाखा के हिमशिखा स्कूल में पर्यावरण पर कला प्रतियोगिता सम्पन्न हुई।
- भूतेश्वर जिन्द (हरियाणा पश्चिम) शाखा द्वारा राजकीय कन्या विद्यालय में द्वार पर विवेकानन्द प्रतिमा का अनावरण जिला शिक्षा अधिकारी वंदना गुप्ता एवं राष्ट्रीय मंत्री अविनाश शर्मा द्वारा किया गया।
- स्वर्णिम वाराणसी (काशी प्रदेश) शाखा ने गर्मी में प्याऊ लगाया।
- फिरोजपुर (पंजाब दक्षिण) शाखा के विजय विक्टर के प्रयास ने कैन्ट स्टेशन से यात्रियों को 2 लिटर पानी की बोतलें महाराष्ट्र ले जाने के लिए दी।
- फजिल्लका (पंजाब दक्षिण) शाखा ने रेलवे स्टेशन पर ठंडे पानी की प्याऊ लगाई।
- समृद्धि मुजफ्फरनगर (हस्तिनापुर) शाखा ने कचहरी के व्यस्त स्थान पर 2 प्याऊ लगाए।
- संस्कार गुलावठी (पश्चिम उत्तर प्रदेश) शाखा ने नव वर्ष पर 1000 स्टिकर तथा राम नवमी पर प्रसाद बांटा।
- तानसेन ग्वालियर (मध्य भारत उत्तर) शाखा द्वारा पक्षियों की जल व्यवस्था के लिए परिन्डे वितरित किये गये।
- किदवईनगर-कानपुर (ब्रह्मावर्त) शाखा ने दुर्घटना में दोनों पैरों से विकलांग लक्ष्मण प्रसाद को ट्राईसिकिल पर व्यापार करने हेतु आर्थिक सहायता दी।
- आजमगढ़ (काशी प्रदेश) शाखा द्वारा बजरंग त्रिपाठी जी के सहयोग से प्याऊ चलाया गया।
- कापरेन शाखा द्वारा जल मंदिर प्रारम्भ किया गया
- केकड़ी शाखा ने पक्षियों के लिए 151 परिण्डे लगाये।
- करीमगंज (असम) शाखा द्वारा अग्नि पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता दी गई।
- आदर्श अजमेर द्वारा 25 मरीजों का नेत्र ऑपरेशन करवाया गया।

बधाई श्री बिमल जैन

बिमल जैन को सामाजिक न्याय एवं अधिधारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विकलांग के राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थान स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान कटक के गवर्निंग बोर्ड में दो वर्ष के लिए मनोनयन किया गया है। बिमल जैन 25 वर्षो से लगातार विकलांगता के क्षेत्र में विकलांग मुक्त बिहार के लिए प्रयत्नशील हैं सम्प्रति श्री जैन परिषद् के विकलांग सेवा प्रकल्प के राष्ट्रीय चेयरमैन हैं वे डाक तार मंत्रालय के फिलाटेली एडवायजरी कमेटी के भी सदस्य हैं।

घातक है बच्चों में वीडियों गेम की लत

नई पीढ़ी के बच्चों अथवा शिशुओं में भी वीडियों गेम का आकर्षण आज एक सर्व मान्य सत्य है। मध्यम और उच्च मध्य आय वर्ग के परिवारों में यह जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। चिकित्सकों का मत है कि हिंसक प्रकृति अथवा बदले की भावना वाले गेम बच्चों में मासूमियत को समाप्त कर उन्हें हिंसात्मक बना रहे हैं।

क्योंकि बच्चों का मन कोमल होता है। उनमें हिसा के प्रति एक खास बुराई का भाव होता है। ये गेम बच्चों में गुस्सा, खीज और आक्रमकता का भाव भरते हैं। कभी-कभी बच्चें इस मयावी जाल को अपने वास्तविक जीवन में उतारने की कोशिश करते हैं तभी तो किसी बच्चें को चाकू मार दिया, भाई या बहन को छत से फेक दिया, ऐसी घटनाएं घटित होती है।

यह रूझान क्यों बढ़ रहा है। इसका कारण है माता पिता का व्यस्त जीवन- इसके कारण बच्चों को आत्मीयता स्नेह ओर पिता का संरक्षण न मिलने के कारण उत्पन्न अकेलापन। अकेलेपन का एक मात्र सहारा है टी.वी. या वीडियों गेम। माता पिता भी बच्चों को व्यस्त रखने के लिए यह दुखदायी उपहार प्रदान करते हैं। बच्चों का शरीर भी देर तक खेलने के कारण प्रभावित होता है। स्क्रीन पर लगाये नज़र रखने से ड्राई आई बीमारी में लाली, चुभन, सिर दर्द की समस्या होती है। शारीरिक सक्रियता न होने से कमर दर्द, पेर दर्द तो होता ही है, बीच में कुछ न कुछ खाते रहने से बजन बढ़ता है और एसीडिटी, कुपाचन, सिर दर्द रोग लग जाते हैं।

ऐसोचेम के सामाजिक विकास फाउण्डेशन के अनुसार 82 प्रतिशत बच्चे 14-20 घंटे प्रति सप्ताह गेम खेलते हैं। उनका ध्यान पढ़ाई से हट जाता है। वे गृह कार्य में पिछड़ जाते हैं। इसलिए परिवार में बच्चे की सुरक्षा, स्नेह और आत्मीयता का भाव बनाने वाला वातावरण बनाना माता पिता की जिम्मेदारी है जिससे बच्चों में कलात्मकता, सृजनशीलता, भावात्मकता, सहयोग वृत्ति मदद करने का भाव जागृत हो सके। -**चित्रेश** (सुल्तानपुर)

जीव जन्तु सरंक्षण मानव जीवन का आधार

मानव जीवन पूर्णत: प्रकृति के अधीन है। प्रकृति का एक भाग वनस्पति, पशु-पक्षी और जीव-जन्तु भी है। प्राकृतिक वनस्पति और पशु पक्षी विभिन्न उपदानों के द्वारा मानव जीवन को पोषित करने में योगदान करते हैं। परन्तु जीव जगत अपनी सीमित क्षमताओं द्वारा मानव जीवन के लिए उपयोगी पर्यावरण प्रदान करते हैं।

- हिंसक पशुओं के कारण मनुष्य घने जंगलों में विनाश लीला प्रारम्भ करने में संकोच करता है।
- कुत्ता एक पालतू पशु है। पालतू कुत्ते के रहते मनुष्य की सुरक्षा सुनिश्चित रहती है।
- मधुमक्खियों द्वारा निर्मित शहद मानव जीवन के लिए प्राकृतिक औषधि है।
- पक्षी और कीट पतंग पेड़ पौधों के बीज स्थानंतरित कर पौधा संरक्षण में सहायक है।
- कीट पतंग चिड़ियों का भोजन होते हैं और खेती को नुकसान से रोकते हैं।
- साँप चूहे और मेंढ़क को खाते हैं और कृषि फसलों को बचाते हैं।
- गीध चिमगादड़, कौए आदि मृत शरीर को भोजन बनाते है और पर्यावरण को साफ रखते हैं।
- कुछ मछलियाँ मच्छरों के लार्वा को खाती हैं और मलेरिया जैसी बीमारियाँ कम हो जाती है।

अब बताइये घरेलू और पालतू पशुओं के साथ वन्य जीव भी मानव जीवन के लिए कितना उपयोगी है।

– **रामशंकर झा**, रिटायर्ड प्रधानाचार्य, कन्नौज

भारत ने अपना जी.पी.एस. स्थापित किया

28 अप्रैल, 2016 को श्री हरिकोटा अन्तरिक्ष केन्द्र से 7वाँ और अंतिम उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित कर दिया गया। इस उपग्रह की स्थापना से भारत का अपना जी.पी.एस. स्थापित हो गया है। अब भारत इस क्षेत्र में अमेरिका और रूस की बराबरी कर रहा है। इसके द्वारा स्मार्टफोन से किसी स्थान की स्थिति, मछुआरों की स्थिति तथा जलयानों पर सीमावर्ती निगरानी सम्भव होगी। ज्ञात हो कि 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान अमेरिकी जी.पी.एस. की मदद मांगी थी जिसे अमेरिका ने मना कर दिया था। तब इसरो ने स्वदेशी जी.पी.एस. बनाने का निश्चय किया। भारतीय वैज्ञानिकों को बधाई।

महिला सहभागिता के लिए कुछ सुझाव

- **साक्षरता अभियान :** हमारी जो लड़कियाँ व महिलाएँ किसी कारणवश निरक्षर रह गई हैं, उन्हें हम उनके घर या केन्द्र पर जाकर साक्षर बनाएँ। वैसे भी अभी बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ अभियान परिषद् का एक प्रकल्प है। अपने देश की साक्षरता दर केवल 59.1 प्रतिशत है। आइये शेष 40.9 प्रतिशत को साक्षर बनाने का संकल्प लें।
- **कैरियर परामर्श :** 10वीं कक्षा से 12वीं कक्षा की लड़कियों के लिए परामर्श केन्द्र की स्थापना करें। ताकि लड़कियाँ बिना किसी असमंजस व संकोच के अपना भविष्य तय कर सकें।
- **संस्कार केन्द्र :** 5वीं से 8वीं तक की लड़कियों के लिए भारतीय जीवन पद्धति के अनुसार संस्कार केन्द्र की स्थापना प्रत्येक शाखा की महिला प्रमुख अपनी सहयोगियों के साथ मिलकर करें।
- **जागरूकता अभियान :** परिषद् की सदस्या बहनें पिछड़ी बस्तियों में जाकर स्वच्छता व अच्छे स्वास्थ्य के लिए जागरूकता अभियान चलायें।
- **तरुणी स्वस्थ :** 12 वर्ष से 20 वर्ष की आयु में साधारणतया खून की कमी, अनियमित मासिक स्राव, पेट में कीड़े आदि समस्याओं के कारण अधिकतर तरुणियाँ अस्वस्थ रहती हैं। नि:शुल्क शिविर लगाकर उनकी जांच व दवाई वितरण करें।
- **गर्भवती महिलाओं** को सरकारी व निजी अस्पतालों में संपर्क की व्यवस्था करके उन्हें समय पर जांच, लौह, कैल्शियम, प्रोटीन व संतुलित भोजन के विषय में जागरूक करें।
- **मीनोपोज़ :** 40 वर्षों से ऊपर की महिलाओं को प्राय: मीनोपोज़ से संबंधित समस्याएं बहुत होती है। इन समस्याओं की रोकथाम के लिए इस आयु की महिलाओं के लिए विशेष सैमीनार सत्रों का शाखा महिला प्रमुख द्वारा आयोजन होना चाहिए।

इस प्रकार परिषद् की सदस्या बहनें परिषद् के माध्यम से राष्ट्र व समाज के उत्थान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

STRONG WOMEN VS WOMEN OF STRENGTH

- A strong woman works out every day to keep her body in shape.... But a woman of strength kneels in prayer to keep her soul in shape.
- A strong woman isn't afraid of anything.......... But a woman of strength shows courage in the midst of her fear.
- A strong woman walks sure footedly .... but a woman of strength know God will catch her when she falls.
- A strong woman has faith that she is strong enough for the journey...... but a woman of strength has faith, it is in the journey that she will become strong.
- A strong woman wears the look of confidence on her face but a woman of strength wears grace.

-Dr. Vijaya Prabha Aggarwal (Gynecologist) Delhi North Mob. 9310096750

पी.के.जैन का प्रवास महाकौशल प्रान्त

28 मई को प्रात: विवेकानन्द शाखा द्वारा जल संरक्षण रैली का आयोजन किया गया। महापौर स्वाति गोडवोले ने रैली को रवाना किया। देवेश तिवारी, रामानुज पटेल ने व्यवस्था संभाली। राजकीय वृद्धाश्रम नागपूर रोड जबलपुर में 80 वृद्धजन निवास करते हैं। प्रथम मंजिल पर आर.ओ. सहित वाटर कूलर लगाया गया। श्री नवीन एवं नीलेश श्रीवास्तव का सहयोग रहा। सायंकाल जबलपुर की दस शाखाओं का सामूहिक दायित्व ग्रहण समारोह समन्वय सेवा कुटीर में सम्पन्न हुआ। महिलाओं की सक्रियता प्रशंसनीय रही। इस वर्ष विभाजित हुए प्रान्त में 9 शाखाओं से 40 का लक्ष्य रखा गया। 32 शाखाएं प्रारम्भ हुई है। कार्यशाला में 26 शाखाओं के प्रतिनिधित्व रहे। प्रान्तीय सेवा और संस्कार प्रकल्प जितेन्द्र कुलकर्णी, श्री किशोर अग्रवाल तथा डॉ. जितेन्द्र जामदार ने समर्पण और प्रकल्पों की प्रासंगिकता पर मार्गदर्शन किया। श्री पी.के.जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। लक्ष्मी वाई उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में मुख्य द्वार के निकट स्वामी विवेकानन्द की मूर्ति का अनावरण किया गया। ग्रामीण विकास प्रमुख लाखन सिंह पटेल ने प्रान्त में ग्राम विकास की सरकारी योजना के सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

मुहाँसे से लेकर दमकती त्वचा तक, छोटी इलायची करती है बड़े कमाल

दुनिया के सबसे महंगे मसालों में से एक है इलायची। भारतीय खानों में ये हमेश से न सिर्फ खुशबू, बल्कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी इस्तेमाल किया जाता रहा है। इलायची वाली चाय हम भारतीय का हमेश पसंदीदा रहा है। इसके कई ब्यूटी फायदे भी हैं।

यहाँ जानिय अपने दैनिक सुन्दरता दिनचर्या में आप इसे कैसे इस्तेमाल करें।

क्लेंज़र के रूप में : इलायची एसेंसियल ऑयल को आप डेली क्लेंज़र की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं ये स्किन पर बैक्टीरिया और फफूद को बढ़ने से रोकता है। इसके एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदे लेकर अपने चेहरे पर 2 मिनट तक मसाज़ करें। अब लगातार क्लींज़र से इसे साफ कर लें।

मुहांसों और दाग-धब्बों के लिए : थोड़े से इलायची पाउडर में कुछ बूंदे नींबू का रस मिलाएं अब इसे मुहांसो या दाग धब्बों वाली लगह पर लगाएं 10 मिनट तक लगा रहने दें और फिर सादे पानी से धो लें।

झुर्रिया कम करे : इलायची एसेंशियल ऑयल एक बहुत अच्छा एंटीऑक्सिडेंट है। स्किन का टेक्सचर सुधारकर ये उसे स्मूथ भी करता है। अपने फैस क्रीम में कुछ बूंदे इलाचयी तेल की मिलाकर लगाएं।

दमकती त्वचा के लिए इलायची एसेंशियल ऑयल में त्वचा को रिलैक्स करने की क्षमता होती है। त्वचा को नमी युक्त करते हुए इस चमकदार और मुलायम बनाता है। इलायची पाउडर और दही मिलाकर एक पेस्ट बना लें। अब इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट बाद सादे पानी से धो लें।

मौखिक स्वास्थ्य : मुँह की सफाई के रूप इसका इस्तेमाल आपने कभी न कभी जरूर किया होगा या करते होंगे। सासों की बदबू दूर करने के लिए हरी इलायची चबा सकते है या पानी में कुछ बूंदे इलायची एसेंशियल ऑयल की मिलाकर उसे माउथ वॉश की तरह इस्तेमाल करें।

सेवा का दृष्टान्त

ठाकुरदास नामक एक वयोवृद्ध व्यक्ति अपनी पत्नी तथा बच्चों के साथ कलकते से चलकर मोदीनगर जिले के एक गाँव में जा बसा। पुराना समय था। दो रुपये की नौकरी से परिवार का निर्वाह होता था। तीनों प्राणी बड़ी कठिनाई से दो रुपये के वेतन से पेट भर भोजन पाते थे। नियति बड़ी बलवती है।

कालान्तर में ठाकुरदास पत्नी और इकलौते बच्चे को छोड़कर संसार से चल बसे। पत्नी के कन्धे पर सारे परिवार का दायित्व आ गया। किसी प्रकार दिन कटते रहे और वर्ष बीतते गये। एक दिन बेटा रात के समय बैठा माँ के पैर दबा रहा और बातें भी कर रहा था– ''माँ! बड़ा होकर मैं पढ़-लिखकर विद्वान बनूँगा और तुम्हारी बहुत सेवा करूँगा।''

बच्चे के उल्ज्वल भविष्य की कल्पना से माँ की आँखों में हर्ष के आँसू थे। ''कैसी सेवा करेगा रे तू मेरी?''

बड़े कष्ट सहनकर तुम मुझे पढ़ा रही हो माँ! माँ कमाने लगूँगा न जब-तब तुम्हें अच्छा-अच्छा खाना खिलाऊँगा और हाँ, तुम्हारे लिए गहने भी लाऊँगा।

''हाँ बेटा, तू अवश्य सेवा करेगा मेरी।'' माँ बोली– ''पर गहने मेरी पसन्द के ही बनवाना।''

''कौन से गहने माँ।''

''बेटा सुन! मुझे तीन गहनों की चाह है। मैं चाहती हूँ कि गाँव में अच्छा स्कूल हो, चिकित्सालय हो और तीसरा गहना है कि निर्धन, असहाय बालकों को खाने-पीने तथा पहनने की सुविधा हो।''

बालक ने जब ये सुना तो वह भाव-विभोर हो उठा। धन्य है यह माँ जिसके इतने अच्छे विचार है। उस दिन से अपनी माँ के लिए इन तीनों गहनों (आभूषणों) को बनवाने की धुन में उसने अहर्निश परिश्रम किया। पढ़ाई समाप्त कर वह उच्च पदों पर आसीन हुआ। माँ को दिये वचन को उसने निभाया। वह बराबर विद्यालय, औषधालय तथा सहायता केन्द्र खोलता चला गया। अपने पुत्र द्वारा दिये तीन आभूषणों से माँ गौरवान्वित हो गई। यह महामानव और कोई नहीं, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर थे।

संस्कृति संस्कार धर्म-युवा पीढ़ी के मार्गदर्शक

किसी भी राष्ट्र की, समाज की उन्नति का सीधा सम्बन्ध उसकी संस्कृति से होता है। सांस्कृतिक मूल्य हमारे सभी राजनैतिक, धार्मिक और कालात्मक मूल्यों का समाहार करते हैं। मनुष्य संस्कृति का सहारा लेता है क्योंकि उसे जोड़ती है। संस्कृति का अर्थ स्वभाव, चरित्र, विचार और कर्म की वे अच्छाईयाँ हैं जो कि परिवार, वर्ग, समाज तथा राष्ट्र की विशेषता बन जाती है।

हमारी संस्कृति विश्व की प्राचीन संस्कृतियों में से एक है। समय-समय पर तमाम आक्रमणकारियों ने भारतीय संस्कृति पर हमला करना चाहा पर अपनी निरन्तरता और जीवन्तता के चलते भारतीय संस्कृति ने उन सभी को आत्मसात कर लिया।

भारतीय संस्कृति केवल मानव की ही सांस्कृतिक निष्ठा पर बल नहीं देती अपितु पशु, पक्षी तथा पेड़-पौधों आदि को संरक्षित कर उन्हें फलने-फूलने का सर्वोत्तम उपाय बताती है। हमने सुख व दुख को व्यापक दृष्टि से देखा है व दोनों ही परिस्थितियों में प्रसन्न रहने का रहस्य भी समझा है।

आज जरूरत है पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण करने की बजाय हम सभी अपनी संस्कृति के तत्वों को सहेजें और उस समृद्ध विरासत का संवाहक बनें।

संस्कृति का बीज है- संस्कार, ऋषियों मनीषियों, गुरुजनों और महापुरुषों के माध्यम से माता-पिता, शिक्षकों के प्रेरणादायक मार्गदर्शन से सद्गुणों व सद्विचारों के अन्तः स्थापन को ही संस्कार कहते हैं।

लेकिन विडम्बना है कि आज की युवा पीढ़ी के पालक पाश्चात्यानुकरण के अंधानुकरण मॉडर्न कहलाने की घटिया होड़ और अर्थ प्रधान युग में अपने बच्चों के लालन-पालन पर कोई ध्यान ही नहीं दे पाता है। एकल परिवार व्यवस्था में घर के वरिष्ठ जन व बुजुर्गों की भूमिका गौण हो गई है। परिवार के बुजुर्गों को वृद्धाश्रम में और बच्चों को पालना घर में भेज कर वर्तमान युवक-युवती स्वतंत्र व स्वच्छंद जीवन की ओर कदम बढ़ा रहें है। आज-कल टी.वी. चैनलों, फिल्मों में जो धारावाहिक नाटक दिखाये जा रहे हैं, वह हमारी भारतीय परम्पराओं से बिलकुल भी मेल नहीं करते हैं। परिवार के बच्चे भी अब यही टी.वी. धारावाहिक देख रहे हैं। युवा पीढ़ी में भटकाव, उनमें बढ़ता तनाव, बढ़ती आत्महतयायें, टूटते परिवार, बढ़ती क्रूरता, समाज, राष्ट्र की उन्नति के बजाय स्वयं की उन्नति का यह पथ क्या यह सावित नहीं करता कि कुछ छूट रहा है, कुछ खो रहा है और यह खोई हुई चीज है - संस्कार।

मीडिया के माध्यम से व अन्य माध्यमों से हमारी सहिष्णुता का, हमारी सर्वजन हिताय की भावना का सहारा लेकर हमारी ही परम्परा की, हमारी रहन-सहन, वेश-भूषा, रीति-रिवाजों को हेय बता कर युवा पीढ़ी को स्वयं से विमुख किया जा रहा है। धीरे-धीरे पाश्चात्य संस्कृति के खान-पान, पहनावा आदि को समाज में प्रवेश कराया जा रहा है।

आज आस्थाविहीन व्यक्ति एक मानसिक विखराव की स्थिति में है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से उसके चिन्तन का एक ही विषय रह गया है -अर्थ।

आज आवश्यकता है पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण करने की वजाय हम भारतीय भी अपनी संस्कृति के तत्वों को सहेजे और उस समृद्ध विरासत के संवाहक बने। व्यक्ति को धर्मोमुख किया जाए और प्रारंभिक शिक्षा से ही संस्कार प्राप्त हो।

हाथ बांधें क्यों खड़े हो हादसों के सामने। हादसा कुछ भी नहीं है हौसलों के सामने।।

आज कथित अभिजात्य वर्ग ने हमारी मातृ-भाषा को किनारे लगा दिया है। हमारे देश की प्राचीन भाषा तो प्राकृत व संस्कृत रही है। भारतीय ज्ञान परम्परा में संस्कृत को देव वाणी कहा गया है। कम्प्यूटर के लिये भी ऐसी ही भाषा होनी चाहिए। जर्मन वैज्ञानिकों ने संस्कृत को कम्प्यूटर की समर्थ भाषा के रूप में विकसित करने की संभावना का पता लगाया है।

आज यदि हम अपने युवाओं को अपनी समृद्ध विरासत, वैभव, अपनी भाषा, परम्परा व धर्म से परिचय करा सकें और इस माध्यम से उनका स्वाभीमान जाग्रत करा सकें तो निश्चित ही उनका आत्म विश्वास बढ़ेगा। आज युवकों से देश, समाज व परिवार को जो आशाएं है क्या वे उन्हें पूरी कर रहे हैं? क्या वे प्रगति की सही दिशा की ओर अग्रसर हैं? यदि नहीं है तो क्यों?। जिसके लिए युवा संगठनों को योजनावद्ध तरीके से कार्य करना होगा।

निम्न सुझाव जो युवाओं को सही दिशा दे सकते हैं-

- शिक्षित युवाओं हेतु रोजगार व्यवस्था हेतु पहल हो।
- युवा परिश्रम व सेवा से दूर न भागें, समय समय पर श्रमदान, समाज सेवा, खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए।

- राष्ट्र व समाज के प्रति निष्ठा की भावना उत्पन्न करें।
- प्रतिभावान व होनहार युवकों को सही कैरियर का चयन करने में मार्गदर्शन प्रदान करें।
- व्यायमशाला, पुस्तकालय की व्यवस्था की जाएं।

यदि इन सुझावों पर ध्यान दिया जाए तो युवा वर्ग में परिवर्तन आ सकता है। युवा वर्ग में साहस है, उत्साह है, शक्ति है तथा हमारी सड़ी गली भ्रष्ट सामाजिक मान्यताओं व रूढ़ियों को बदलने की क्षमता है। वह सक्रिय होकर देश व समाज को प्रगति की ओर अग्रसर कर सकता है। जीवन में सफलता प्राप्त करने का शक्तिशाली मंत्र है आत्मविश्वास।

डॉ. संजीव जैन 'कंड़की', ललितपुर

- **प्रान्तीय अध्यक्ष/महासचिव आशा है सभी प्रान्तों ने कार्यशालाएं सम्पन्न कर ली होगी। कार्यशाला में उपस्थित शाखाएं/प्रतिनिधि संख्या के साथ प्रान्तीय निर्देशिका की दो प्रतियाँ यथाशीघ्र केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित करें।**
- **1 अप्रैल, 2016 से जून 2016 तक नई खुलने वाली शाखाओं का विवरण निम्न प्रारूप में प्रेषित करें :-**

शाखा नाम	सदस्य संख्या	जिला	प्रान्त का नाम

- सम्पादक

NATIONAL COUNCIL MEETING ON 28TH AUGUST 2016

It is to notify to the members of national council that a meeting is organized on 28th August 2016 at 11:00 am to 1:30 pm at BVP Bhawan, Pitampura, Delhi. Please make it convenient to attend the same.

PROPOSED AGENDA:

1. To fill casual vacancies if any
2. To approve the accounts for the year ended 31st March 2016
3. To appoint the auditor and fix the remuneration
4. To approve the amendments in the rules
5. Any other item herewith the permission of the chair

रक्षा बन्धन व श्रावणी पर्व

रक्षाबंन्धन भारतीय वैदिक संस्कृति को जीवित रखने वाला पर्व है। पर्व का अर्थ पूणाति पूरयति-इति पूर्व जो पूर्ण कर दे, तृप्त कर दे, उत्साहित, आनन्दित कर दे वह पर्व है।

रक्षा बन्धन का अभिप्राय है-आत्मरक्षा के लिए बन्धन। बहन अपने भाई के हाथों में रक्षा सूत्र बांधती है और अपने भाई के सुखी, दीर्घायु की कामना करती है।

कितनी ही खेद जनक बात है कि आज रक्षाबंधन के पुनीत त्योहार ने अपनी मूलभूत महत्ता को खो दिया है। वास्तविकता का स्थान कृत्रिमता और ढ़ोंग ने ले लिया है। बहनों में लोभ भावना आ गई है कि यदि भाई सम्पन्न है तो उस कलाई में मूल्यवान राखी बांधी जाती है और निर्धन भाई की कलाई को शिष्टाचार की वेदी पर चढ़ा दिया जाता है। राखी कलाई की शोभा नहीं और न ही रेशम की कोमल कड़ी ही है। यह तो लोहे की हथकड़ी है जिसे भाई सहर्ष पहनता है। राखी के धागों में बहन का प्यार होता है। बहन की रक्षा का भार होता है।

इस प्रकार यह श्रावण शुक्ल पूर्णिमा, रक्षाबंधन, श्रावणी उपाकर्म, श्रावणी पर्व हर वर्ष हमें शिक्षा देता है।

- **आचार्य गवेन्द्र शास्त्री**, आर्य समाज राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली

विविध गतिविधियाँ

राजस्थान मध्य

ब्यावर : शाखा द्वारा नगर के चार स्थानों पर ठंडे पानी की प्याऊ की व्यवस्था की जा रही है। अध्यक्ष, सचिव तथा सभी सदस्यों में बड़ा उत्साह है।

मदनगंज किशनगढ़ : जिला कलेक्टर द्वारा सरकार के हेलमेट अनिवार्य किये जाने की अपील पर शाखा द्वारा पूर्ण सहयोग का निर्णय लिया गया। शाखा द्वारा रिगंलर कम्पनी के 4000 मानक हेलमेट खरीदे गये। कम्पनी द्वारा सस्ते दर पर हेलमेट प्रदान किये गये। परिषद् के प्रतीक चिन्ह (Logo) से युक्त हेलमेट 25 दिनों में वितरित किये गये।

युवा अजमेर : शाखा द्वारा 3000 पर्यावरण पत्रक बांटे गये। हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। बैनर लगाकर लोगों को जागरूक किया गया। अध्यक्ष निखिल शाह ने सभी को धन्यवाद दिया।

सघन सम्पर्क से ही सहयोग की राहें निकलती है।
बिना संस्कार के सेवा की बाते मन को छलती है।
समर्पण भाव से अपनाते हैं जो सूत्र परिषद् के
ये संदेश देते हैं कि रातें रोज़ ढ़लती है। - **किशोर**

राजस्थान दक्षिण

भामाशाह-उदयपुर : शाखा द्वारा परिण्डा निर्माण कार्यशाला में 134 खाली डिब्बों के द्वारा परिण्डा निर्माण कर वितरण किये गये। युवा उद्यमी राहुल निचलानी व कृष्ण कान्त शर्मा ने परिण्डे बनाकर नागरिकों को बांटे।

राजस्थान पश्चिम

बाड़मेर : शाखा द्वारा संचालितकक्षा 12वी की कोचिंग में 17 छात्राओं ने अध्ययन किया। कुमारी भूमिका जोशी को 99% अंक भौतिक शास्त्र में प्राप्त हुए। एक्यूप्रेशर थेरेपी केन्द्र में हड्डी रोग, मधुमेह रोग, रक्तचाप गठिया, बात रोग की थेरेपी नि:शुल्क की जाती है।

राजस्थान दक्षिण पूर्व

बारां : शाखा द्वारा स्थायी प्रकल्प के अन्तर्गत तीसरे जल मंदिर का लोकापर्ण किया गया। यह वाटर कूलर माथना तिराहा पर स्थापित किया गया है। महाराणा प्रताप जयन्ती के अवसर पर मूर्ति पर माल्यार्पण, दीप दान तथा चौराहों पर रंगोली सजाई गई। महावीर माहेश्वरी उमेश गुप्ता तथा सभी सदस्यों ने भाग लिया।

छाबड़ा : शाखा द्वारा रेलवे स्टेशन पर गाड़ी आने पर पानी उपलब्ध कराने की सेवा शुरू की गई। सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया।

रावतभाटा : शाखा द्वारा मधुमेह निवारण योग शिविर का आयोजन किया गया। साधकों को ब्रजवासन, शंशांकासन, पवनमुक्तासन, नाड़ी सोधन, अनुलोम विलोम शिक्षक सुदर्शन सिंह ने करवाया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा योग दिवस की घोषणा बहुत पुरानी बात नहीं है। एक वर्ष में पश्चिमी देशों में योग, ध्यान, प्राणायाम, आसन की उपयोगिता संसार के अनेक देशों को प्रभावित कर रही है। इग्लैड में सैनिक प्रशिक्षण में कबड्डी को शामिल कर लिया गया। अनेक बहु राष्ट्रीय कम्पनियों ने अपने कर्मचारियों और अधिकारियों की क्षमता बढ़ाने के लिए ध्यान और प्रणायाम की प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया हैं कनाडा का पुलिस विभाग योग का भरपूर लाभ उठा रहा है। विभाग के अधिकारी काम शुरू करने से पहले ध्यान अवश्य करते हैं।

राजस्थान पूर्व

वजीरपुर : शाखा द्वारा राजकीय उ.मा. विद्यालय में नलकूप लगाकर मुख्य द्वार पर जल मंदिर का निर्माण कराया गया। इसका शुभारम्भ सरपंच देवी द्वारा शर्बत वितरण से किया गया। योजना में ग्राम पंचायत तथा परिषद् सदस्यों का सहयोग रहा।

राजस्थान उत्तर

मीरा शाखा बीकानेर : बीकानेर में प्रथम महिला शाखा मीरा के गठन पर मुख्य अतिथि डॉ. त्रिभुवन शर्मा तथा डॉ. बेला भनोत ने शाखा को शुभकामनाएँ दी। श्रीमती शशि चुघ अध्यक्ष, रश्मि भार्गव सचिव तथा सुषमा सारस्वत को कोषाध्यक्ष की शपथ दिलाई गई।

बीकानेर नगर : शाखा द्वारा 50 परिण्डे पक्षियों के लिए लगाये गये। जानवरों के लिए पानी की एक खेली लगाई गई।जल

संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम रखा गया। एन्टी टुबैको डे पर तम्बाकू की हानियाँ तथा कैंसर से बचने के उपाय बताए गये।

राजस्थान उत्तर पूर्व

अम्बाबाड़ी जयपुर : शाखा द्वारा पौधारोपण एवं पर्यावरण विषय पर चित्रकाला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के बाद पौधा रोपण किया गया।

नारी उत्पीड़न रोकने के कुछ सुझाव

1. बालिकाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर स्वावलम्बी बनाया जाए।
2. अपनी सुरक्षा स्वयं करने के लिए साहस पैदा किया जाए।
3. नारी उत्पीड़न की शिकायतों के लिए नारी सेल बनाए जाएं।
4. महिला जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाए।

–**कविता गोयल**, सिकन्द्राबाद

हरियाणा उत्तर

अम्बाला : प्रान्तीय कार्यशाला में शाखा के दायित्वधारियों का सदस्यता वृद्धि, संचालन एवं प्रकल्पों की सार्थकता पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री विनीत गर्ग ने सदस्यों से समन्वय रखते हुए उत्साह से काम करने का आह्वान किया। डॉ. खुराना, प्रान्तीय महासचिव, डॉ. एम.पी.गुप्ता, प्रान्तीय अध्यक्ष, प्रान्तीय कोषाध्यक्ष प्रदीप खेड़ा ने सभी शाखाओं के नाम अंकित कर चार्टर प्रदान किया।

रादौर : प्रान्तीय महिला कार्यशाला का आयोजन शाखा के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। प्रान्तीय संयोजिका मंजू गर्ग तथा सुषमा जैन की टीम ने व्यवस्था संभाली। श्रीमती सीमा त्रिखा ने कहा कि महिला सृष्टि की सर्वोत्तम रचना है। सृष्टि की रचना महिला के बिना असंभव है। लेकिन आज महिला ही महिला की दुश्मन बनी हुई है। महिलाओं को मनमुटाव दूर कर जागृत होना चाहिए। राष्ट्रीय मंत्री प्रो. अविनाश शर्मा ने परिषद् में महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को तेज करने पर बल दिया। महिला सदस्यों और बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। शाखा द्वारा 11 निर्धन कन्याओं का विवाह सम्पन्न किया गया। नई अनाज मंडी से सत्यम पैलेस तक बारातों की शोभायात्रा निकाली गई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सेवा श्री यशपाल गुप्ता ने नव वधुओं को आशीर्वाद दिया। डॉ. के.के.खुराना विशिष्ट अतिथि रहे। सभी दम्पतियों को घरेलू सामान भेंट किया गया।

अम्बाला नगर : शाखा द्वारा राजकीय विद्यालय वलाना में 3 तथा आर्य स्कूल में 10 पंखें भेंट किये गये। डायबिटीज तथा नेत्र रोगों पर गोष्ठी को डॉ. मोहित बंसल ने संबोधित किया।

जगाधरी : शाखा द्वारा परिषद् भवन के निर्माण की आधारशिला विधान सभा अध्यक्ष कंवर पाई तथा श्री कमल गुप्ता ने रखीं डॉ. के.के.खुराना ने सदस्यों को सम्बोधित किया।

घरौंडा : शाखा द्वारा बाल संस्कार शिविर में 60 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को संस्कार, आत्म विश्वस, यातायात नियम, वैदिक गणित प्रशिक्षण लिया। टी.वी. संस्कृति में बच्चों को एकांकी रहना, हिसंक खेल तथा प्रतिस्पर्धा, द्वेष, स्वार्थ के संस्कार तो मिलते हैं लेकिन सहयोग, परहित, नि:स्वार्थ सहायता, सामूहिक जीवन आदि के गुणों का विकास नहीं हो पाता है। इसलिए ये शिविर उपयोगी है। किडजी के डायरेक्टर डॉ. अमित, प्रिसिंपल डॉ. मंजीत कौर ने शिविर की तारीफ की।

कर्ण करनाल : शाखा द्वारा पर्यावरण दिवस पर पौधे लगाये गये। प्रधान दर्शन मदान ने पौधों के महत्व पर प्रकाश डाला। विकास मेहदीदत्त ने बताया कि प्राकृति आपदाओं का कारण वृक्षों का न होना है। अत: हमें अपने जीवन में ऑकसीजन की प्राप्ति के लिए वृक्ष लगाना चाहिए।

ग्राम विकास प्रकल्प

ग्राम विकास के राष्ट्रीय मंत्री राकेश गुप्ता ने सीकर व झुनझनू जिले की कार्यशाला तथा पलसाना शाखा के प्रवास में सदस्यों को परिषद् के उद्देश्यों से अवगत कराया तथा जिज्ञासा समाधान किया। कार्यशाला में सभी शाखाओं को एक ग्राम विकसित करने का आग्रह किया गया।

हरियाणा दक्षिण

भगत सिंह-रोहतक : शाखा द्वारा 15 स्कूल के 2050 निर्धन छात्रों को 10000 कॉपियाँ तथा स्टेशनरी वितरित की गई। राकेश गुप्ता ने आभार किया।

बहादुरगढ़ : महाराणा प्रताप जयन्ती के आयोजन में आनन्द पवार ने प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में श्वेता प्रथम, रेणु द्वितीय तथा लक्ष्मी तृतीय रहीं।

हरियाणा पश्चिम

मट्टू : शाखा द्वारा महिला सहभागिता के अन्तर्गत रसोई तथा व्यन्जन बनाने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। दीपिका मरीठिया ने महिलाओं के लिए शीतल पेय तथा व्यन्जन बनाने के तरीके सिखाए गये। कार्यशाला का उद्घाटन वीणा बजाज ने किया। महिला प्रभारी अंजू ने धन्यवाद दिया।

सिरसा : परिषद् भवन का लोकार्पण डॉ. कमल गुप्ता, संसदीय सचिव, हरियाणा के द्वारा सम्पन्न हुआ। भवन का उद्घाटन वृक्षारोपण के द्वारा सम्पन्न हुआ। जैन कन्या विद्यालय की

छात्राओं द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर नाटिका प्रस्तुत की गई। रमेश गोयल (पर्यावरण प्रभारी) ने पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया।

डबवाली : शाखा द्वारा गर्मी से परेशान जीवों एवं पक्षियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की गई। सार्वजनिक स्थानों पर 100 जल पात्र बनवाकर रखे गये।

फतेहाबाद : शाखा द्वारा शीमा बस्ती में एक दिवसीय महिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्रीमती सुनैना कटारिया, साक्षी, अनीता, रेणु नारंग ने छात्राओं तथा स्टाफ को मैंगो कूलर, मैंगो फ्रूटी, चाकलेट, पाइनएप्पल शेक, ओरियन्टल शेक बनाने की विधि सिखाई। विद्यालय प्राचार्या उषा बजाज ने सभी का धन्यवाद किया। **विशेष** शीतल पेय बनाने की विधि प्रेषित करें। - **सम्पादक**

हरित बाल गोकुलम

प्रारूप के अनुसार 4'x8' का फ्लैक्स बैनर लगाना चाहिए। विद्यालयों के प्रमुख स्थानों पर फ्रेम कराकर लगाना चाहिए। प्रत्येक शाखा द्वारा न्यूनतम 5-10 विद्यालयों में यह बैनर लगाए जाएं।

दिल्ली दक्षिण

जनकपुरी बी.ब्लॉक : शिव शक्ति सनातन धर्म मंदिर में सेवा प्रकल्प के अन्तर्गत हियरिंग एड, 6 सिलाई मशीन, 2 ट्राईसिकिल तथा 50000/- रुपये की राशि स्कूली बच्चों को वितरित की गई। 84 स्कूली बैग भी 6 स्कूलों में वितरित किये गये। शाखा द्वारा गत माह 11 सामूहिक सरल विवाह सम्पन्न कराये गये। अबतक 11 सालों में 94 विवाह किये जा चुके हैं। व्यक्तित्व विकास शिविर में 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। योगाचार्य शरद कुमार ने योग, ध्यान, प्राणायाम तथा व्यक्तित्व के अनेक पहलुओं पर प्रभावी व्याख्यान दिया। योग गुरु वी.के.पन्त ने प्रतिदिन बच्चों का आसन, ध्यान, प्राणायाम का अभ्यास कराया। एम.एल.कालरा तथा आई एस.चौधरी ने जंकफूड तथा कोक पीने से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का संदेश दिया। गर्मी में ठंडे पेय के लिए नींबू पानी, छाछ, लस्सी आदि के प्रयोग पर बल दिया। शिविर के बच्चों को प्रशस्ति पत्र दिये गये। 11 नये सदस्य बने। 2 लोगों ने नेत्रदान का संकल्प लिया।

दिल्ली उत्तर

इन्द्रपुरी : शाखा द्वारा जे.जे.कॉलोनी की झुग्गी बस्ती की महिलाओं को मदर डे पर सम्मानित किया गया। इन महिलाओं द्वारा कठिन परिस्थिति में बच्चों को शिक्षा देकर योग्य बनाया गया। बच्चों ने मातृ शक्ति के लिए प्रेरणाप्रद गीत गाये। शशि चौधरी अध्यक्ष, मुकेश शर्मा सचिव ने व्यवस्था संभाली।

श्री गणेश-शालीमार बाग : शालीमार बाग में श्री राधे श्याम अग्रवाल की अध्यक्षता में नई शाखा का गठन हुआ। दम्पति सदस्यता तथा परिवार में स्नेह, आत्मीयता बढ़ाने पर चर्चा की गई। श्री संजीव मिगलानी, बी.बी. दीवान ने सदस्यों को प्रकल्पों की जानकारी दीं। नव निर्वाचित पार्षद श्री भूपेन्द्र मोहन भण्डारी का सम्मान किया गया।

पुस्तक चर्चा

मातृत्व को जानो

यह प्रश्न मंच प्रतियोगिता नहीं वरन् प्रयाग की परिषद् सदस्या श्रीमती वीना भार्गव की लिखी पुस्तक का शीर्षक है। 36 अध्यायों में वर्णित 75 पृष्ठों की पुस्तक में गर्भावस्था की सावध ानियाँ, व्याख्याएं, क्या खाएं क्या न खाये, खतरें के संकेत अस्पताल की तैयारी, जच्चा बच्चा का रख रखाव, स्तनपान, व्यायाम, टीकाकरण, भोजन आदि का सटीक वर्णन किया है। संभावित माताओं के लिए एक सम्पूर्ण पुस्तक है। प्रकाशक भार्गव सन्स 3/1, वी.के. बनर्जी मार्ग, इलाहाबाद (उ०प्र०) मूल्य रुपये 150/-प्रति।

दिल्ली मध्य

कमला नगर : शाखा द्वारा 5 दिवसीय समर कैम्प में 75 बच्चों ने भाग लिया। कैम्प शक्ति नगर दिल्ली में आयोजित हुआ। ऐरोविक्स, डांस आर्ट एण्ड क्राफ्ट प्रशिक्षण दिया गया। माई ट्रेजर बाक्स टीम के द्वारा रोचक तरीके से प्रशिक्षण दिया गयां कैम्प संचालन में श्रीमती संगीता, अर्चना, अल्का, निर्मल, आशा,बीना और रश्मि अग्रवाल ने सहयोग दिया। शंकरलाल सचिव ने आभार जताया।

दिल्ली पूर्व

मधु विहार : शाखा सदस्यों द्वारा सपरिवार भागवत वृद्धाश्रम का भ्रमण किया गया। सदस्यों ने वृद्धजनों की समस्याओं की जानकारी ली तथा सहायता का आश्वासन दिया। आश्रम में बिस्कुट, जूस, स्नैक तथा नाश्ता फल आदि का वितरण किया गया।

बुन्देलखण्ड

कुरारा (हमीरपुर) : प्रान्त में प्रान्तीय महासचिव अजय इटोरिया तथा राष्ट्रीय संरक्षक रामशरण श्रीवास्तव के सहयोग से कुरारा शाखा का गठन सम्पन्न हुआ।

रुहेलखण्ड

अमरोहा मैत्री : शाखा के शपथ ग्रहण समारोह में जल है तो कल है विषय पर प्रस्तुत नाटिका में रिद्धिमा गार्गी, जया, अदीति और कलिका ने भाग लिया। डॉ. कबेरी सक्सैना द्वारा लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा जल बचाने की उपाय बताने की होड़ लग गई।

ब्रज प्रदेश

आगरा संस्कार : शाखा के दायितव ग्रहण पर पर्यावरण संरक्षण एवं जल ही जीवन है पर एक नृत्य नाटिका में ममता गुप्ता, पूनम, दिव्या, निमिषा ने सहभागिता की। समाज को यह संदेश दिया कि भविष्य में जल को बार्बाद करने से बचना होगा। महन्त सुरेन्द्र प्रकाश भारद्वाज ने टीम को आशीर्वाद दिया।

''याद''

''याद,
हमें है लोरी
लेकिन........
गाकर किसे सुनायें हम?
तुम...........
सात समंदर पार बसी हो,
किससे लाड
लडायें हम?
सासें की........
बूढ़ी कुल्हड में,
तेल रहा, ना बाती है
अब तो...........
हर पल बेटी हमको
याद तुम्हारी आती है।''

- **जय प्रकाश भारद्वाज**, तरावड़ी

समर्पण-अलीगढ़ : शाखा द्वारा स्थानीय राठी अस्पताल के सामने प्याऊ का शुभारम्भ किया गया। सचिव अनिल राज ने कहा कि भीषण गर्मी तक प्याऊ चालू रहेगा। महासचिव जे.पी. गुप्ता ने धन्यवाद दिया।

अलीगढ़ : शाखा के दीक्षा समारोह में विनीत कोचिंग में नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे निर्धन छात्रों को पठन पाठन सामग्री दी गई। बच्चों द्वारा बेटी बचाअे-बेटी पढ़ाओ पर लधु नाटिका प्रस्तुत की गई। शाखा द्वारा तम्बाकू के नुकसान के बारे में जन जागरूकता अभियान चलाया गया। - अनूप गुप्ता ने आभार किया।

अलीगढ़ शिवम : शाखा द्वारा सुन्दर कांड पाठ के उपरान्त प्याऊ प्रारम्भ किया गया। सेवाधाम हिघरपुर में आदिवासी बच्चों को टाफी, स्टेशनरी, बिस्कुट बांटे गये। बच्चों ने गीत प्रस्तुत किये। चिकित्सा शिविर में नयनीत हॉस्पिटल मथुरा की टीम ने मरीजों का परीक्षण किया। 200 मरीजों की जांच की गई। डॉ. एस. बी. गुप्ता, डॉ. इन्दू वार्ष्णेय ने सहयोग किया।

मयूरी-अलीगढ़ : महिलाओं की सक्रियता के कारण अलीगढ़ नगर कह मयूरी शाखा सदैव चर्चा में रही हैं पोस्टर प्रतियोगिता के द्वारा बच्चों की प्रतिभा निखारने का कार्य शाखा द्वारा सम्पन्न हुआ। अध्यक्षा लक्ष्मी, उषा गुप्ता, लता गुप्ता का सहयोग रहा। रैम्पवाक करते नेहा जैन, नमन अनीता, ऋचा, कल्पलता, काजल, धीरज, साधना, रेखा, मोहिनी भारती, राधा, पूजा, रीना, प्रतीक्षा, भूमिका ने भाग लिया। दूसरे दौर में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं में दहेज प्रथा, गौरक्षण, पर्यावरण पर पोस्टर बनाये गये। गायिकी के दोर में भजन गीत तथा नृत्य प्रस्तुत हुए।

एटा : शाखा द्वारा स्थानीय बाजार में पर्यावरण जागरूकता स्टिकर वितरण किया गया। इसके पूर्व विद्यालयों में स्लोगन प्रतियोगिता, पोलिथीन जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न हो चुके है। अंजू अग्रवाल ने पर्यटन में पर्यावरण की सुरक्षा पर बल दिया। विसाल अग्रवाल ने शादी व पार्टियों में मिट्‌टी के बर्तनों के प्रयोग का आग्रह किया। राजकुमार, भ्रत ने जल की कमी को देखते हुए जल संरक्षण की बात कहीं। अध्यक्ष राहुल कपूर ने आभार किया।

समुत्थान-आगरा : शाखा द्वारा यमुना प्रदूषण मुक्त करने का अभियान चलाया गया। अम्बेडकर पुल पर बैनर पोस्टर लगाकर रैली निकाली गई। अनीता सिंह सचिव ने यमुना में मूर्ति विसर्जन तथा कचरा डालने पर प्रतिबन्ध लगाने के प्रति जागरूकता रैली में प्रीति, रेनू, संजीव, वैशाली, नीता आदि ने भाग लिया। विशेष अभियान में 'लौट आओ गौरैय्या' के अन्तर्गत पक्षी संरक्षण पर बल दिया गया। इसके अन्तर्गत मुकेश, संजीव, देवेश, कपिल, विमला आदि ने सुबह सैर करने वालों को पक्षियों के पानी के लिए परिन्डे वितरित किये।

ब्रह्मावर्त

गोविन्द कानपुर : शाखा द्वारा स्थानीय राहगीरों एवं सब्जी मण्डी में खरीददारी करने वालों हेतु शीतल जल सेवा की व्यास्था की गई।

कन्नौज : शाखा द्वारा वीर सावरकर जयन्ती के आयोजन में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता आबिद सिद्दीकी ने भाग

लिया। पूर्व प्रधानाचार्य राम शंकर झा ने वीर सावरकर के जीवन के अनेक घटनाएं सुनाई।

अवध प्रदेश

गोलागोकरन नाथ : शाखा द्वारा जल संरक्षण कार्यशाला सरस्वती विद्या निकेतन में सम्पन्न हआ जिसमें डॉ. बी.पी. सिंह (वैज्ञानिक) डॉ. अनिल कुमार (विज्ञान क्लब) महेन्द्र कुमार त्रिपाठी (प्राचार्य) उपस्थित रहे। श्री सिंह ने बताया कि पृथ्वी पर केवल 3% जल ही पीने योग्य है। इस जल को सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने जल संरक्षण की विधियाँ भी बताई। शाखा वीर सावरकर जयन्ती पर नरेश सिंह तोमर ने सावरकर की शौर्य की क्रान्तिाकारी घटनाएं सुनाई तथा उनसे प्रेरणा लेने की अपील की। अध्यक्ष राजेश गिरी ने धन्यवाद किया।

लोकमान्य-लखनऊ : शाखा द्वारा बाल संस्कार शिविर में 120 बच्चों ने भाग लिया। छात्रों ने योग कहानी, स्वास्थ्य, भारत को जानो आदि अनेक प्रतियोगिताएँ की। सचिव अशोक त्रिपाठी ने आभार किया।

विवेकानन्द लखनऊ : प्रान्त की कार्यशाला में अवध दिशा का लोकार्पण सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्री ब्रज मोहन अग्रवाल ने विकास रत्न बनने की घोषणा की।

पूर्वी लखनऊ : शाखा द्वारा बड़े मंगल के अवसर पर विकलांगों को भोजन कराया गया तथा वस्त्र वितरण किये गये। श्रीमती मंजू सिंह का विशेष सहयोग रहा।

उत्तराखण्ड पश्चिम

रुड़की : शाखा द्वारा ग्रामीण महिलाओं के स्वालम्बी बनाने के लिए सिलाई केन्द्र की स्थापना की गई। मेहवड़ कलां ग्राम में 40 महिलाओं ने इसके लिए पंजीकरण कराया। संचालिका हेमलता सिंहल ने केन्द्र के बारे में जानकारी दी।

क्लेमेंट टाऊन : शाखा द्वारा स्कूली बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता में 281 छात्रों ने भाग लिया। विजेताओं को श्री आर. सी. सक्सेना, अध्यक्ष, श्रीमती विजय लक्ष्मी अग्रवाल सचिव तथा जी.के. मेन्द्रोला कोषाध्यक्ष ने पुरस्कृत किया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

विवेकानन्द पिलखुवा : शाखा द्वारा कुकिंग तथा रद्दी सामान से उपयोगी वस्तुओं को बनाने की कार्यशाला प्रारम्भ हुई। इसमें 155 महिलाओं ने पंजीकरण कराया। शिविर में स्टीम्ड मोमोज, मूंगदाल की बर्फी, चीज रोल कटलेट, डेनाइट कटलेट सिखाए गये। श्रुति, नेहा, शिल्पा वर्षा, पूर्वा, गुंजन माधुरी आदि ने व्यजन बनाना सिखाया। कंचन ने वेस्ट मैटीरियल की वस्तुए बनाना सिखाया। स्थानीय कमला भवन में व्यंजन बनाने का प्रशिक्षण लेने के लिए 258 महिलाओं के पंजीकरण हुए। इन्हें छुआरा, मीठा पान, चॉक्लेट, माक्टेल जूस, बुके बनाना सिखाया गया। कृपया व्यंजन बनाने की विधि प्रेषित करें।

साहिबाबाद : शाखा द्वारा पर्यावरण मित्र योजना के अन्तर्गत स्थानीय धर्मशाला में कपड़ों के थैले बनना कर वितरित किये गये। शाखा प्रति वर्ष 8-12 कक्षा के चयनित छात्रों को रुपये 5100/- प्रति छात्र की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। कक्षा 12 के छात्र विनीत शर्मा और साहिल कसाना ने आई.आई.टी. की परीक्षाओं में सफलता पाई।

TIPS FOR HAPPINESS

1. Forget and forgive
2. Expect nothing from anyone
3. Accept situation and relations as they are, if unchangeable
4. Don't try to change others, change yourself.
5. Don't compare but be contented.
6. Be positive in thoughts.
7. Don't regret but learn.
8. Cut the past, slash the future and live in present moments.
9. The beautiful life is short and uncertain, love all indiscriminately.
10. Remove 'Ego' and reduce 'Desire'.

-Dr. B.R.Gupta, Lucknow

हस्तिनापुर

समृद्धि मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा 40 शिक्षकों को नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नेत्र चिकित्सा शिविर एवं हृदय जांच शिविर आयोजित किया गया। वंचित बच्चों के लिए दो कम्प्यूटर प्रयोगशालाएं प्रस्तावित है। मनोज सेठी, शुभांग भारद्वाज, अनुपम कर्णवाल ने शपथ ली। शाखा द्वारा 40 कनेर के पौधे रोपने का कार्यक्रम सदस्यों द्वारा लगाया गया। पर्यावरण दिवस पर श्री संदीप जैन, मनोज सेठी का सहयोग रहा। सम्पर्क कार्यक्रम में माउन्ट लिड्रा स्कूल के बच्चों ने भी भाग लिया।

उत्कर्ष-मेरठ : शाखा द्वारा परिवार के वृद्धजनों के सम्मान के लिए बरगद की छाव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री सुरेन्द्र जी के मार्गदर्शन में वनवासी सहायता के लिए आर्थिक सहयोग दिया गया। मणि अग्रवाल सचिव ने संचालन किया। विभा जैन अध्यक्ष ने धन्यवाद दिया। शाखा द्वारा नि:शुल्क कानूनी सलाह, चिकित्सा केन्द्र, शिक्षा केन्द्र तथा सलाई केन्द्र का

संचालन हो रहा है।

सम्राट-मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा शीतल जल प्याऊ लगाया गया। चिकित्सा शिविर में डॉ. देवेन्द्र कुमार सेनी द्वारा 240 मरीजों का परीक्षण किया गया तथा दवाई वितरण किया गया। वीर सवारकर जयन्ती पर उनकी स्वतंत्रता संग्राम में योगदान की चर्चा की गई। सुनील गर्ग ने आभार किया।

देवबन्द-सहारनपुर : शाखा द्वारा सड़क निर्माण के कारण धूल और वायु प्रदूषण को देखते हुए मास्क वितरण किया गया। अध्यक्ष विवेक तायल ने सदस्य के सहयोग का धन्यवाद किया।

पंजाब उत्तर

लुधियाना : शाखा द्वारा संचालित कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र पर 39 नये विद्यार्थियों का प्रवेश किया गया। 6 माह का प्रशिक्षण नि:शुल्क दिया जाएगा। ऋषिनगर स्थित सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र में 22 लड़कियों का प्रवेश किया गया। योग शिविर में नये प्रशिक्षण के लिए 22 नये युवक सम्मिलित हुए।

गुरदासपुर : शाखा द्वारा संस्कार के अन्तर्गत गुरु तेग बहादुर प्रकाशोत्सव, विश्व स्वास्थ्य दिवस, नव संवत्सर समारोह, वैशाखी, अम्बेडकर जयन्ती, रामनवमी, महावीर जयन्ती के अतिरिक्त सेवा प्रकल्पों में स्वच्छ भारत तथा स्कूलों में कूड़ेदान वितरण जैसे कार्यक्रम सम्पन्न किये। दन्त चिकित्सा तथा मधुमेह का परीक्षण भी करवाया गया।

विवेकानन्द लुधियाना : शाखा द्वारा दिव्यांग महिला की बेटी की शादी में आर्थिक सहायता दी गई। महिला को व्हील चेयर भी दी जायेगी। 1 सिलाई मशीन, कम्प्यूटरमोनीटर, 4 सिलाई मशीन स्टैण्ड प्रदान किये गये। शाखा द्वारा पर्यावरण बचाओ के लिए कपड़े के थैले सिलाई का कार्य शुरू किया गया।

छतवाल : शाखा द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर निबन्ध प्रतियोगिता में 167 बच्चों ने भाग लिया। प्रधान संजीव शर्मा, डॉ. मनु शर्मा तथा प्रधानाचार्य जतिन्दर ने पुरस्कार बांटे।

जालंधर गौरव : शाखा द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम में 6 छात्रों का सम्मान किया गया। अपाहिज आश्रम में चाय नाश्ता करवाया गया। पक्षियों को गर्मी में पानी की व्यवस्था के लिए कसोरे बांटे गये।

पंजाब पूर्व

विवेकानन्द सुनाम : शाखा द्वारा 500 साइकिलों पर परिषद् का रिफ्लेक्टर स्टिकर लगाया गया। कुलवन्त सिंह यातायात पुलिस प्रभारी तथा अमरीक सिंह लेबर यूनियन द्वारा परिषद् के कार्य की सराहना की गई।

चण्डीगढ़ पश्चिम : जिले की तीन शाखाओं के दायित्व ग्रहण समारोह में दायित्वधारियों को शपथ दिलाई गई। प्रसिद्ध भजन गायक श्याम सुन्दर जी की टोली द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। समारोह के अन्त में स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। श्री एच.आर. नारंग, क्षेत्रीय अध्यक्ष के साथ प्रान्तीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानन्द सुनाम : शाखा द्वारा रेलवे स्टेशन पर जल सेवा शुरू की गई। प्रकल्प प्रभारी ने अरुण चौहान अधीक्षक को धन्यवाद दिया।

पटियाला क्षेत्र : क्षेत्र में 25 शाखाओं के 100 दायित्वध ारियों की कार्यशाला में राकेश सहगल ने शाखा विस्तार और संगठन की चर्चा की। श्री विनीत गर्ग ने प्रकल्पों को प्रभावी ढ़ंग से संचालित करने की आवश्यकता बताई। राष्ट्रीय महामंत्री श्री अजय दत्ता ने प्रभावी कार्यक्रमों पर बल दिया।

चण्डीगढ़ उत्तर-2 : शाखा द्वार समर हॉली डे कैम्प लगाया गया। इस अवसर पर आई.जी.पुरी ने बताया कि गत वर्ष की सफजता के बाद बच्चों में कैम्प के प्रति रूचि बढ़ी हैं इस कैम्प में 120 निर्धन परिवार के बच्चों को गणित, विज्ञान, अंग्रेजी तथा जीवन विज्ञान की शिक्षा दी जायेगी। बच्चों को जूस, बिस्कूट तथा केक वितरित किये गये।

मोहाली : शाखा के सेवा कार्यों में लगातार इजाफा हो रहा है। पंजाब पूर्व की कार्यशाला में आये छत्तीसगढ़ के राज्यपाल बलराम जी दास टाडन की ओर से मोहाली शाखा को 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

पंजाब दक्षिण

जलालाबाद : शाखा द्वारा मिड डे मील योजना के अन्तर्गत माँ शारदा विद्यापीठ के 100 छात्र-छात्राओं की मध्यान्ह भोजन की स्मार्ट हेल्थ योजना शुरू की गई। विद्यालय के अधिकांश बच्चे झुग्गी झोपड़ियों से संबंधित हैं। कार्यक्रम उद्घाटन पर आगामी 100 दिनों के भोजन की व्यवस्था दान दाताओं ने घोषित की।

डंगर खेड़ा-अबोहर : शाखा द्वारा बसंती मंदिर में मेले में तम्बाकू निषेध दिवस मनाया गयां लोगों को तम्बाकू सेवन के नुकसान बताये गये। पैम्पलेट बांटे गये। मेले में 5000 लोगों ने भाग लिया।

हिमाचल प्रदेश पश्चिम

प्रान्तीय कार्यशाला में ऊना, धर्मशाला, नगरोटा, पालनपुर, बैजनाथ शाखाओं के 40 पदाधिकारियों ने भाग लिया। श्री राकेश सहगल, विपिन ढ़ींगरा ने नये संविधान नियमों तथा आंचलिक रचना के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया।

मध्य भारत पश्चिम

सेवा इन्दौर : डी.एच.एल. के चेयरमैन डॉ. संतोष सिंह ने सेवा को उपकार नहीं वरन दायित्व के रूप में स्वीकार करने की अपील कीं प्रत्येक युवा तथा बुजुर्ग को सेवा के लिए कुछ समय देने की आवश्यकता है। उन्होंने बुजुर्गों के आशीर्वाद से जीवन में आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया। अध्यक्ष नवीन शुक्ला ने पूरी निष्ठा से सेवा कार्यों का आश्वासन दिया।

देवास : शाखा द्वारा एक मास के योग शिविर का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध योगाचार्य डॉ. बी.के. तिवारी ने 50 व्यक्तियों को योग का प्रशिक्षण दिया। शिविर में योग, प्राणायाम, कपाल भाति आदि सिखाई गई। प्राचार्या इन्दिरा शर्मा के सहयोग से रचना गुलाटी, निशा सोमानी ने शिविर संचालित किया।

मध्य भारत उत्तर

भिण्ड : शाखा द्वारा पर्यावरण रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। साईकिल रैली के बाद संस्कृति विद्यालय में वृक्षारोपण किया गया। पक्षियों को जल हेतु परिण्डे लगाये गये। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमृत लाल उपस्थित रहे। प्रशासन ने गौरी सरोवर के किनारे पार्क को विकसित करने का दायित्व परिषद् को सौंपा

मगध बिहार

गया : शाखा द्वारा कोरमा एवं सहबाजपुर ग्राम में स्कूली बच्चों को स्टेशनरी, बिस्कुट तथा बुजुर्गों दम्पतियों को साड़ी एवं धोती का वितरण किया गया। मनीष कुमार अग्रवाल द्वारा सामग्री प्रदान की गई।

कोशी बिहार

अरविन्द सहरसा : शाखा द्वारा टैगोर पब्लिक स्कूल के बच्चों ने पय्रवरण रैली निकाली। वृक्ष लगाओ जीवन बचाओ का नारा लगाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प कियां प्राचार्य प्रमोद भगत ने परिषद् को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम की अगंआई रितेश रंजन जिला पार्षद ने की।

बिहार उत्तर

बेगूसराय : शाखा द्वारा कमरूद्दीनपुर डुमरी में वृक्षारोपण कर 40 पौधे लगाये गये। उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह ने पौधा संरक्षण पर बल दिया।

गुजरात मध्य

बापूनगर-अहमदाबाद : शाखा द्वारा प्रतिवर्ष लांग बुक साइज़ नोट बुक सस्ती दर पर प्रदाान की जाती है। इस प्रकल्प के कारण परिषद् की लोकप्रियता बड़ी है तथा सभी सोसायटी, स्कूलों मे इस वर्ष 24000 नोट बुक वितरण की गई। धन्यवाद बापूनगर शाखा।

हिमाचल प्रदेश पश्चिम

पालमपुर : शाखा द्वारा आधिरशीला स्कूल दैहण में नशा मुक्ति के लिए जागरूकता अभियान में छात्रों को शपथ दिलाई गई। प्रान्तीय अध्यक्ष हरीश चावला ने बच्चों को भारत को जानो पुस्तक भेंट की। प्रधानाचार्य सजन खेर उपस्थित रहे।

PUNJAB SOUTH

Jalalabad : Branch organized a *"Smart Health Card"* Yojna for the students. 100 health cards were issued to the poor and needy students of Maa Shedhe Vidyapeeth. Om Prakash Kukkar donated Rs. 5100/- and appreciated the activities of BVP.

PUNJAB EAST

Chandigarh : H.E. Governor of Punjab and Haryana Sri Kaptan Singh Solanki distributed aid in form of shoes, uniforms, stationary and books to 600 poor and deserving students from 50 govt. schools of Chandigarh. Shri Solanki blessed to students to work hard. He granted a sum of Rs. 5 lakhs to the welfare programmes of BVP. Moreover four donors also announced a grant of 1 lakh each to these projects. Sanjay Tandon and K.L. Chauhan Director Saksharta 2016 informed the procedure of selecting needy students. Shri S.R. Pareek, N.P. and Ajay Datta - Natinal Secy. General blessed the students.

PUNJAB NORTH

Mansa : The branch organized "*Poster Competition"* on environment day. Topic was "Jal Hai to Kal Hai". 110 students participated. Dr. Sunil Jindal explained the importance of water in our life. Dr. Anand Bansal president spoke on the cleanliness. Winners were awarded.

Dr. Kitchlu, Ludhiana : Branch organized an old age home visit by the members and donated grocery worth Rs. 500. They met the inmates of old ages home and recited Kirtan and Bhajan. A polio corrective Surgery camp was organized at Viklang Kendra. 11 patients were operated.

Gurdaspur : Branch organized a seminar on *Water Conservation* at Govt. S.S. School, Ghotkoper. Bhupender Singh and Prakash Kaur principals attended the function Shivali Kiran Harpinder made

a short speech about water conservation and environment protection. Prem Khosla gave some tips on water conservation. It was followed by GVCA programme.

ASSAM

Karimganj : On the World Art Day branch celebrated a painting competition. 29 participants pant on "World Peace", the branch celebrated Gurudev Ravinder Nath Tagore Jayanti. Environment Day was observed in association with district administration and senior citizens leaflets were distributed throughout the rally. Chairman municipal board planted saplings of fruits. 34 saplings were plante

Birjhora : Branch observed "*World Environment Day"* by planting 20 saplings of Neem and Mahojini. Started '*Art Competition'* under the guidance of Mrs. Jyotsna Debi all together with 50 students. Km. Meena Devi conducted a quiz competition on the same topic, Shri P.K. Das Vice president and Mrs. Ananile Chakravorti delivered a speech on environment. Winners were given prizes.

Patherkandi : The branch celebrated Ravinder Nath Jayanti at Kanai Bazar School, Ravinder Nath as *a leader of freedom moment in India* was the topic. Shri Shitangshu Bhatacharya president, Sanjay Devnath of BVP spoke on the topic. A Cultural program was organized as Atam Darshan by the students 14 boys and girls participated in society the powers of Guru Deo. d in Maharshi Vidya Mandir Karimganj,

GUJARAT NORTH

Patan : Organized *Annual Function* at Shankar Party plot. Dr. Dineshbhai V Pandor, Ashwinibhai Pareek and Bhanubhai Soni graced the function. Shri Hemantbhai president promised to organized Sewa Programmes and Mahila Sahbhagita. 350 families enjoyed the function. Secretary Maheshbhai Dalvadi extended the vote of thanks.

MAHARASHTRA - I

Ghatkopar, Mumbai : The branch organized a PDC for 4 days at Ram Ratan Vidya Mandir Boarding Schools. 80 boys and 31 girls were attended the camp. The participants were given training for intellect, creating, emotions aspirations, physical attributes and interactions. To develop a complete personality with pleasant, optimisms, radiates hope and brightness, different sessions were taken by experts. Right coordination of physical mental spiritual emotions are exposed through activities in the camp.

The participants were trained for physical, mental, spiritual creative and Nritya Sanskar through Surya Namaskar Pranayam, Upasana, Geeta Pathan, Self-defence Karate, Lathi Kathi, folk dance lazem, Goal Setting, Time Management. Fiscal Awareness, Ayurveda Health, Gaushala, Biogas, Solar Energy, vermiculture, Rangoli Craft, Vertical Gardening malkhamb and Songs Bhajan, and Storytelling are the contents of shiber with the systematic performance and guidance of Dr. Suresh Patel MS. Shri Anurag Rath took a session on effective parenting.

Dombivile, Thane : Branch has adopted a scheme for construction of wells and small dam for the villagers of Vihigeon Phase-II, Shri Udai Chaudhary CEO of Thane Jila Parishad will start the project. The branch has completed the first phase of drinking water to the villagers.

KARNATAKA SOUTH

Bangluru : A workshop of the branch project incharge was organized at Bangaluru. It was stressed to hold NGSC and BK Jano, GVCA should be performed in a big way. Shri Shub Ram Shetty offered a grant of Rs. 1 lakhs to start a trust of BVP. Dr. Venkata Chalpalhy offered to co-sponsor a sport meet in the state.

ANDHRA PRADESH

Vishakhapatnam : Plantation programme was organized in Akkyapatam High School, where 50 saplings were planted by students. A clean school project was launched by Zonal Commissioner GVMC BV Ramana and collector S. Vankaleswar Rao were present.

Kakinada : Branch organized PDC and Summer camp at Gandhi Nagar Balishankar Shiksha Kendra, total 300 students participated. The classes were conducted for one month. R.Ravishankar Patnayak, V. Shri Niwas Acharyula and G Annapurnayya were the main organizers.

DELHI NORTH

Panchdeep : The branch organized a *Yoga and Nature Cure Camp*. 100 people attended the camp. Yogacharya B.S. Katodia delivered lecture and practiced the Yoga and Pranayam.

खुदीराम बोस

कटघरे में खड़े युवक को फाँसी की सजा सुनाकर न्यायाधीश कार्नडेप्ट ने युवक पर दृष्टि डाली तो आश्चर्यचकित रह गए। जिस युवक को फाँसी की सजा सुनाई थी, वह खिलखिलाकर हंस रहा था।

न्यायाधीश ने सोचा कि शायद इसने सुना नहीं है, इसलिए वह बोले, 'सुना तुमने! पुलिस इंस्पेक्टर सांडर्स पर बम फैंकने के अपराध में तुम्हें फाँसी की सजा दी गई है।''

वह युवक मुस्कराते हुए बोला, 'बस, इतनी सी सजा! जनाब! हम भारतीय मौत से नहीं डरते। यह तो मेरे लिए गर्व की बात है कि मातृभूमि की सेवा करने का मुझे मौका मिला है। इसके लिए आप धन्यवाद के पात्र हैं।''

उसकी बात सुनकर न्यायधीश असमंजस में पड़ गया। उसने नम्र लहजे में कहा, 'यदि तुम चाहो तो हाईकोर्ट में अपील कर सकते हो। तुम्हें सात दिन का समय दिया जाता है।'

वह युवक तिलमिलाकर बोला, 'मैंने जीवन में भीख मांगना नहीं सिखा है। यदि आपकी मेहरबानी है तो आप मुझे मात्र पांच मिनट का समय दें ताकि मैं अपने दोस्तों को यह बता सकूँ कि बम कैसे बनाया जाता है।'

उसका इतना कहना था कि न्यायधीश झल्लाकर अपनी कुर्सी छोड़कर चला गया। अंतत: 11 अगस्त, 1908 को वह युवक हंसते हंसते फाँसी की फंदे पर लटक गया। वह युवक अन्य कोई नहीं महान क्रान्तिकारी व देशभक्त खुदीराम बोस था।

।। योग गीत।।

यह योग की गाथा है, यह रोग भगाता है।
चारों दिशा में बढ़ जाये योग ही पाता है।।
गौरवशाली देश हमारा, समृद्ध इसकी गाथा है,
सूर्य नम् के नित योगों से सदा सुख ही पाता है।
यह भूख बढ़ाता है, यह प्यास जगाता है।
काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह को दूर भगाता है।।
यह योग की गाथा है, यह रोग भगाता है।
चारों दिशा में बढ़ जाये योग ही पाता है।।

ताकतवर की थाती है मदहोशी की लाठी है।
जो इसको नित करता जाये, वो फौलादी छाती है।
मुख मण्डल पर आभा गहरा ज्ञान बढ़ाता है।
दुखियों के दुख हरने का, जो भाव जगाता है।।
यह योग की गाथा है, यह रोग भगाता है।
चारों दिशा में बढ़ जाये योग ही पाता है।।
परिभाषा है प्राण की, आती-जाती श्वास की,
अनुलोम-विलोग-भस्त्रिका, कपाल भाति ज्ञान की,
रोम रोम रोमांचित कर दे गहरी नीद सुलाता है।
सूर्योदय से पहले योगी खुद जग जाता है।।
यह योग की गाथा है, यह रोग भगाता है।
चारों दिशा में बढ़ जाये योग ही पाता है।।

मासिक पारिवारिक बैठक

शाखाओं में मासिक पारिवारिक बैठक के आयोजन में उत्साह और सक्रियता के लिए अनेक प्रयोग किये जाते हैं आयोजन में परिवार की भागीदारी एवं विकास एक मुद्दा हैं बैठक में रोचकता रही तो परिवारों का उत्साह रहता है। इसलिए एक घंटे की बैठक का समय, विषय विभाजन निम्न प्रकार से प्रस्तावित हैं-

1. भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण, वन्देमातरम् 5 मिनट
2. सदस्य परिवारों का स्वागत
3. अध्यक्ष द्वारा परिषद् के आगामी/विगत कार्यक्रमों की जानकारी 5 मिनट
4. आगामी कार्यक्रम की चर्चा एवं व्यवस्था निर्धारण 5 मिनट
5.बच्चों द्वारा संगीत, गीत, काव्य, चुटकूले, कहानी, प्रेरक प्रसंग 10 मिनट
6. महिलाओं की पूर्व नियोजित समस्या या रूचि के विषय पर चर्चा (स्वास्थ्य, शिक्षा एवं संस्कार) 10 मिनट
7. अतिथि-किसी विशेषज्ञ (डाक्टर, सी.ए., प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी, बैंक मैंनेजर आदि) का उद्बोधन एवं प्रश्नोत्तर 10 मिनट
8. सदस्यों के जन्मदिन/वैवाहिक दिवस पर शुभकामना
9. बच्चों, महिलाओं का पुरस्कार 5 मिनट
10. आभार एवं राष्ट्रगान 2 मिनट

स्वल्पाहार अथवा खान-पान से बैठक समापन -**सीए अरुण डागा**

अजय कुमार दत्ता (20-08-1942) गुवाहाटी के पद्मश्री, भूगर्भ शास्त्र के परास्नातक। 1974 में गुवाहाटी के निगम पार्षद बनें 1978 में विधान सभा के लिए चुने गये। सामाजिक कार्यों में रूचि और परिषद् के सक्रिय भागीदारी के कारण नवनिर्मित सेवा केन्द्र गुवाहाटी के लोकार्पण में उन्हें सम्मानित किया गया था। 28-02-2016 को दरवार हाल में राष्ट्रपति भवन दिल्ली में राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया।

MAHILA SAHBHAGITA

We organize programmes under "*Beti Baacheo Beti Parhao*" or "*Mahila Sahbhagita*". It is proposed to select some topics and the expert speakers for better results of the projects. The proposed topics are as under:

1. Adolescent Health
2. Eve Teasing
3. Diet and Nutrition
4. Vastu in Kitchen
5. Family peace
6. 40 plus problems mothers
7. Sanskar in family
8. Habits of cooperation sharing and helping among children
9. Love affection and happiness in the family
10. Techniques of security outside the home
11. Self-defense.

These above topics should be included in Mahila Sahbhagita state conference with expert speakers.

Kudos to Soutrik Basu, Elder son of Suprabhat Kumar Bose Treasurer of Ilsoba branch (West Bengal) has been awarded Ph.D. by Wageningen University Netherlands.

डॉ. जी के कुछ संदर्भ

प्रान्तीय समारोह का आयोजन था। प्रश्न उठा कि वार्षिक गतिविधियों की रिपोर्ट किसको प्रस्तुत करनी चाहिए। प्रान्तीय अध्यक्ष के नाते मैंने निर्णय दे दिया। सचिव को। डॉ. सूरज प्रकाश जी साथ में थे। उन्होंने कहा प्रेम जी! यदि कोई अध्यक्ष अधिक सक्रिय है तो यह सचिव को बुरा क्यो लगता है। यह तो अच्छी बात है कि कोई अध्यक्ष परिषद् के प्रति पूर्ण समर्पित है। मोटी सी बात उन्होंने समझा दी कि हम अपने अन्दर का छोटापन ऐसे मतभेदों से दूर नहीं कर सकते। न ही इसका कोई समाधान है।

अन्तरंग अनुभूति

चण्डीगढ़ में एक कार्यक्रम में जाना था। समय पर पहुँचना था। फगवाड़ा से मुझे और डॉ. सूरज प्रकाश जी को जाना था। मेरे पति नरेन्द्र जी गाड़ी चलाने के लिए बैठ गये। उन्होंने डॉ. जी को आगे बैठने का आग्रह किया। डॉ. साहब बोले आप आगे बैठिये न प्रेम जी। पिछली सीट पर बैठते हुए मैने भी मजाक किया जरा साथ बैठकर तो देखिए। डॉ. साहब बहुत हंसे। फिर बोले मेरी पत्नी भी ऐसा ही कहती थी। अगले जन्म में औरत होना तब तुम्हे पता चलेगा औरत की कठिनाईयों का, परेशानियों का। भावों में डूब गये वे। बोले आनरेरी मैजिस्ट्रेट थीं, डबल एम.ए.। संगीत और नृत्य की एक शानदार विभूति। कई बार उसने मुझे ट्रैफिक चालान से बचायां जब मैंने ड्राईविंग करते रूल तोड़ा। मन की निश्चछता, आडम्बरहीन विचारों के आगे सब फीका हैं। स्वभाव की कोमलता, व्यवहार की पवित्रता पत्नी के प्रति अनन्य श्रद्धा का भाव देखा मैंने उस दिन।

– **श्रीमती प्रेम एन. कुमार**, पंजाब प्रान्ताध्यक्षा 1991

रीजनल मंत्री पर्यावरण, उत्तर क्षेत्र श्री रमेश गोयल ने सिक्किम सरकार द्वारा स्टीरोफोम के बने डिस्पोजेवल गिलास, प्लेटों के प्रयोग तथा विक्री पर रोक लगाने की सराहना की हैं सिक्किम देश का पहला राज्य है जहाँ ऐसी पात्रों के प्रयोग पर रोक लगी है। उन्होंने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर पर्यावरण संरक्षण के लिए उचित कार्यवाही करने की अपील की है।

जन्म सहस्राब्दी पर विशेष

क्रान्तिकारी संत रामानुजाचार्य (1017-2017)

कर्नाटक के श्री पेराम्बूर में जन्में रामानुजाचार्य संत परम्परा के क्रान्तिकारी संत थे। वे बाल्यावस्था से ही रुढ़ियों का विरोध करते थे। एक बार उनकी भेंट श्री कांचीपूर्ण स्वामी से हो गई। वे उन्हें घर ले आये, भोजन कराया और उनके पैर दबाने की इच्छा प्रकट की। श्री कांचीपूर्ण ने उन्हें ब्राह्मण होने के कारण मना कर दिया। वे बड़े दुखी हुए। उन्होंने जाति पांति का भेद मिटाने का संकल्प कर लिया। वे गुरु यादव प्रकाश के आश्रम में शिक्षा प्राप्त करने लगे। वे उनका बड़ा सम्मान करते थे। लेकिन गुरु की त्रुटियाँ भी बता देते थे। इस कारण गुरु ने उनको आश्रम से निकाल दिया। बाद में उन्होंने 5 श्रेष्ठ विद्वानों से शिक्षा प्राप्त की इनमें से दो विद्वान निम्न (महापूर्ण और गोष्ठीपूर्ण) जाति के थे। आदि शंकराचार्य के अद्वैतवाह (ब्रह्म सत्यम् जगन्मिथ्या) के कारण समाज राष्ट्रीय कर्तव्यों से दूर होने लगा। तब उन्होंने विशिष्टाद्वैत (ब्रह्म सत्य है वैसे ही जगत भी सत्य है) मत का प्रतिपादन किया।

समाज का हित साधन उनका जीवन ध्येय था। जब उनके गुरु ने कड़ी परीक्षा के बाद गुरु मंत्र दिया और इसे गुप्त रखने को कहा। लेकिन रामानुजाचार्य ने मंदिर पर खड़े होकर वह मंत्र सबको सुना दिया। उनका मानना था कि सब का कल्याण होना चाहिए। वे भक्ति आन्दोलन के पुरोधा थे। उन्हीं के उपदेशों से प्रभावित होकर 300 वर्ष बाद रामानन्दाचार्य ने श्रीरामनाम का मंत्र समाज को दिया। उन्हीं की परम्परा से कबीर, रैदास, मीरा, तुलसी जैसे संतों का अवतरण हुआ। मुलुकौटैं कर्नाटक में उन्होंने अपना पहला आश्रम बनवाया जिसमें सभी जातियों के लोग प्रवेश कर सकते हैं। उन्होंने समाज के सामने 'न जाति कारणे लोके गुणाः कल्याण हेतवरु ''अर्थात् मनुष्य के कल्याण का कारण उसकी जाति नहीं वरन् उसके गुण ही हो सकते हैं।

- पाथेयकण से साभार

27 जुलाई पर विशेष **डॉ. कलाम को विनम्र श्रद्धांजलि**

आज़ादी के बाद 1962 का चीन युद्ध, 1965 का पाक युद्ध, 1971 का बंग्लादेश युद्ध का साक्षी रहा। इस कालखण्ड में पंडित नेहरु की चीन से पराजय पर बेचैनी, पाक विजय पर लाल बहादुर शास्त्री का वीर भाव, बंग्लादेश युद्ध के समय श्रीमती इन्दिरा गाँधी की रणनीतिक विजय के साथ भारत ने पहला परमाणु विस्फोट किया। इस काल में युवा वैज्ञानिक डॉ. कलाम का संकल्प आकार ले रहा था। डॉ. भाभा और विक्रम साराभाई का योगदान डॉ. कलाम की प्रेरणा का स्रोत बना। उन्होंने उपग्रह प्रेषण, अन्तरिक्षयान, त्रिशूल लक्ष्य, अग्नि, पृथ्वी, नाग और आकाश मिसाइलों के प्रक्षेपण से विश्व में भारत का गौरव बढ़ाया। आई.पी.एस. का पद त्याग कर सत्यार्थ प्रकाश के अनुरागी, तमिलभाषी महात्मा धर्म बन्धु से उनके प्रगाढ संबंध थे। भारत रत्न अलंकरण के बाद राष्ट्रपति का पद सुशोभित करते हुए उन्होंने कहा ''भारत के युवा नागरिक होने के नाते प्राद्यौगिकी, देश प्रेम और ज्ञान से युक्त मैं महसूस करता हूँ कि छोटा लक्ष्य अपराध है। वे सदैव शिक्षक की भूमिका का निर्वहन करते रहे। अपने प्रवास में स्कूली बच्चों को सपने देखना और साकार करने की प्रेरणा देते हैं। भारत के सुदूर धनुष कोटि रामेश्वरम् के सिन्धु जल कणों से उपजा यह पुनीत पंकज उत्तर के मेघालय स्थित श्वेत शिलांग के राजकणों का स्पर्श करते हुए अस्ताचल में विलीन हो गया। उनकी प्रेरणा, उनकी दृष्टि भारत के गौरव को निखारने में सक्षम होगी।

विनम्र श्रद्धांजलि — - देव नारायण भारद्वाज, अलीगढ़ (उ०प्र०)

अहंकार का अन्त

बहुत पहले अहमदाबाद का नाम कर्णावती था। जहाँ का राजा सुलतान अहमद शाह था। साबरमती नदी के किनारे मणिक नाथ का आश्रम था। राजा ने मणिक नाथ आश्रम के पास एक विश्राम गृह बनवाने का आदेश दिया। मणिक नाथ को गुस्सा आ गया। बिना मुझसे पूछे आश्रम के निकट विश्राम गृह बनेगा। उसे मेरी ताकत का पता नही है।

मजदूर दिन भर दीवार चिनाई करते। रात्रि में मंत्र बल से मणिक नाथ उसे गिरा देते। राजा बहुत चिंतित हो गये। वजीर ने कहा आप चिन्ता न करें कोई हल निकलेगा। वजीर मणिकनाथ के आश्रम में जाकर बोला गुरु जी आपने अनेक सिद्धियाँ हासिल की है। कोई चमत्कार दिखाइये। मणिक नाथ ने मंत्र बल से अपना शरीर छोटा किया और एक लोटे में समा गये। वजीर यही चाहता था। वजीर ने कहा बाहर तो निकलिए। मंत्रोच्चारण करते योगी थक गये लेकिन बाहर नहीं आ सके। तभी आकाशवाणी हुई। योगी के गुरु महाराज कह रहे थे - मणिक तुम्हारे सिद्धि मंत्र का असर खतम हो गया है। तुम्हारे अन्दर अहंकार पैदा हो गया है। तुम्हें परोपकार के लिए सिद्धियाँ मिली थी। लेकिन अहंकार वश तुमने राजा के काम में बाधा डाली। मणिक नाथ ने पाश्चाप करते हुए गुरु से क्षमा मांगी और प्राण त्याग दिये। बाद में अहमद शाह के नाम पर कर्णावती का नाम अहमदाबाद पड़ा और मणिक नाथ के नाम पर एक मणिक चौक बना।

- राजीव कंसल, बुलन्दशहर

आओ कुछ हंस लें-

जीवन की व्यस्तता, पारिवारिक जिम्मेदारी, परिषद् की योजनाएँ, आखिर कुछ क्षण निकालें आओ कुछ हंसे, कुछ मुस्करायें।

- **मुम्बई में माल्या** का 17000 वर्ग फुट का बंगला नीलाम हो रहा है। कीमत 150 करोड़ है। मैं नहीं लूंगा। आज कल काम वाली बाई मिलना मुश्किल है। सफाई कौन करेगा।
- **डिग्री मुक्त भारत की नेता राबड़ी बोली** - यही फायदा है डिग्री न होने का। कऊनौ फर्जी नहीं बता सकता।
- **एक भारतीय** ने अपने अमेरिकी मित्र से पूछा - भारत घूमने गये थे कैसा लगा। बहुत सुन्दर- ताजमहल देखा, दिल्ली, मुम्बई शहर देखें। उत्साहित होकर उसने पूछा मेरे भारतीय कैसे हैं मित्र ने कहा वहाँ भारतीय तो कोई नही है। मैंने एयरपोर्ट पर मराठी देखे, पंजाबी देखे, गुजराती, राजस्थानी देखे, हिन्दू, मुस्लिम देखे, बनारसी, जौनपुरी देखे, जाट ब्रह्माण देखे, कांग्रेसी, भाजपाई देखे, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र देखे। भारतीय तो कोई नहीं देखा।
- **कुछ रह तो नहीं गया** - तीन महीने के बच्चे को दाई के पास छोड़कर ऑफिस के लिए निकली माँ से दाई ने पूछा कुछ रह तो नहीं गया। पर्स, चाबी सब ले लिया। अब वह कैसे कहे कि पैसे की पीछे भागते, सब कुछ पाने की ख्वाहिश में जिसके लिये यह सब कर रही है वह ही रह गया है।
- **कुछ बिहार की** - जो ओवरटेकिंग करता है बिहार में, गोलिए मार देते हैं कपार में। - कुछ दिन तो गुजारिये बिहार में।
- **एक नौजनवान** ने कहा मेरा पर्स गिर गया है। मुझे धनबाद जाना है। मैं सम्पन्न परिवार से हूँ। मुझे मांगने में झिझक हो रही है। मारवाड़ी बोला अरे कभी ऐसा हो जाता है। शर्म की कोई बात नहीं है। ये लो मेरा फोन, घर वालों से बात करके इस नम्बर में 200 का रिचार्ज करवा दे। मैं तुम्हे 200/- देता हूँ। लड़का बिना कुछ बोले आगे बढ़ गया।
- **एक ट्रेन के नीचे 100** लोग आ गये।। 99 मर गए........ एक पप्पु बच गया.....

  रिपोर्टर ने पप्पू से पूछा : ''ये सब कैसे हुआ?'' पप्पू बोला सर - ''गलत अनाऊँसमेंट की वजह से,

  अनाऊँसमेंट हुआ था कि शताब्दी एक्सप्रेस प्लेटफार्म पर आ रही है।''

  तो सब घबराकर प्लेटफार्म से उतर कर पटरी पर आ गये।

  पर ट्रेन प्लेटफार्म पर नहीं, पटरी पर आई.......

  रिपोर्टर : और आप समझदार निकले जो पटरी पर नहीं उतरे।।

  पप्पू जी नहीं, मैं तो सूइसाइड करने आया था, अनाऊँसमेंट सुनकर मैं पटरी से हटकर प्लेटफार्म पर लेट गया था''।।
- **सास ने नई-नवेली बहू** को घर की व्यवस्था समझाते हुए कहा, ''देखो, मैं इस घर की गृहमंत्री हूँ, साथ ही वित्त मंत्रालय भी सम्भालती हूँ।..... तुम्हारे ससुर घर के विदेश मंत्री हैं, मेरा बेटा और तुम्हारा पति आपूर्ति मंत्री है एवं मेरी बेटी और तुम्हारी ननद योजना मंत्री है ..... अब तुम ही बताओ, तुम कौन-सा विभाग लेना पसंद करोगी......?

  बहू ने मुस्कुराते हुए तपाक से जवाब दिया, ''जी मैं तो विपक्ष में बैठूँगी।
- **एक आदमी** लाइब्रेरियन के पास पहुचा।

  उसने लाइब्रेरियन से पूछा : भाई साहब, आप मुझे 'सूइसाइड कैसे करें', इस पर कोई किताब दे सकते हैं?

  लाइब्रेरियन : नहीं दे सकता।

  आदमी : क्यों?

  लाइब्रेरियन : क्योंकि आप उसे लौटाने नहीं आएंगे।

कृपया पाठक अपनी प्रतिक्रिया दें। सम्पादक

A sub Committee appointed by the Core Committee visited Ajmer for conducting national conference in December 2016. It was informed that the venue, accommodation, finance and delegation fee has been finalized and approval will be sent by the core committee. Subcommittee consisted of Shri O.P. Kanoongo and Shri Sanjiv Bansal.

चलो कुछ अलग करें।

संस्मरण

मैं बारह साल से परिषद् का सदस्य हूँ संस्कार और सेवा के प्रकल्प किये। अच्छा लगता था। आत्म संतुष्टि मिलती थी। लेकिन मन में एक इच्छा रहती थी कुछ अलग किया जाए। तलाश जारी थी। तभी प्रधानमंत्री जी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की। मुझे लगा शायद यही काम है जो मैं खोज रहा था। परिषद् में बहुत प्रकल्प किये लेकिन कोई पहचान नहीं बना सके।

स्वच्छता के इस आयोजन में परिषद् की पहचान बनाने लायक कुछ अनुभव हुआ। इसी दौरान बीकानेर के श्री मोहर सिंह यादव से मेरी मुलाकात हुई। उन्होंने बीकानेर में स्वच्छता अभियान से एक पहचान बनाई है। इसी बीच बीकानेर के स्वच्छता अभियान पर एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई। यह समाचार वेल्जियम के उद्योगपति सुरेन्द्र पटवारी ने पढ़ा और राजस्थान के मोमासर गाँव में स्वच्छता अभियान की अपनी सिद्धता बताई। वे मोमासर गाँव (ननिहाल) में शेखावटी उत्सव राजस्थानी लोक नृत्य का आयोजन करते रहे हैं।

यादव जी ने मुझे बताया तो मैं उत्साहित हुआ। मुझे इस वर्ष प्रान्त का दायित्व था इसलिए परिषद् टीम की सहमति लेकर मोमासर गाँव में 7 दिन का स्वच्छता अभियान चलाने का निश्चय किया। शाखाओं को सूचित किया। सात दिन का समय निकालना कठिन होता है फिर भी कमोवेश सदस्यों ने कुछ समय देने की प्रतिबद्धता दिखाई। मन में बड़ी स्फूर्ति थी, उत्साह था। मैं सात दिन रहकर अभियान चलाने का संकल्प कर चुका था। टीम तैयार की गई। घर-घर से कचरा संग्रह कराया, गलियों से कचरा उठाना, झाड़ू लगाना, नालियों की सफाई करना कोई सरल काम नहीं था। कई नकारात्मक विचार भी आये। तर्क कुतर्क हुए लेकिन ऐसे काम तर्क से नहीं जुनून से होते हैं। 12000 आबादी के गाँव में काम बहुत था। सुरेन्द्र पटवारी के परिजनों ने बहुत सहयोग किया। गाँव का नक्शा लेकर कचरे के ढ़ेर, कचरा संग्रह और कचरा उठाने के लिए रास्ता तय हुआ। गाँव वालों को भी बताया गया कचरा सड़क पर न डालें, कचरा वाहन में ही डालें, बच्चों को जागरूकता के लिए रैली निकाली गई। अनूठा दृश्य था। सक्षम लोग, शिक्षक लोग, कार, एसी में रहने वाले लोग कचरा उठा रहे थे, झाड़ू लगा रहे थे। अगले दिन क्षेत्रीय सांसद भी आये और स्वच्छता अभियान को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। वार्ड कमेटियाँ बनी, स्वच्छता प्रमुख बने, पंचों ने भी सहयोग दिया। गाँव की स्वच्छता का आंदोलन जन आन्दोलन बन गया। टीम बनी, समर्पित कार्यकर्ता मिले। आत्म संतुष्टि मिली। आओ कुछ ऐसा करें कि पहचान बन जाए।

-**विनोद आधा**, प्रान्तीय महासचिव (राजस्थान उत्तर)

संस्मरण

डॉ. सूरज प्रकाश जी का पारिवारिक और सामाजिक जीवन बड़ा संघर्ष पूर्ण रहा। संघर्ष की अनेक घटनाओं में भी वे समाज की प्रवृत्तयों का चिन्तन और विश्लेषण बहुत सहजता से करते थे। 1982 में फरुखाबाद नगर के 35-40 लोगों को परिषद् की जानकारी देने के लिए बैठक आमंत्रित की गई। उस बैठक में डॉ. सूरज प्रकाश जी ने समाज के उच्च वर्ग की मानसिकता को स्पष्ट करने वाली दो घटनाएँ सुनाई। रामेश्वरम् में लंका के लिए पुल निर्माण होने में एक गिलहरी के योगदान की घटना का स्मरण करते हुए वे कहते कि हमको अपने साधनों में से समाज कार्य के लिए कुछ न कुछ योगदान अवश्य करना चाहिए। दूसरी घटना एक मेडिकल कॉन्फ्रेंस के बारे में है। डॉक्टरों का समूह भोजन अवकाश में चर्चा करते-एक डॉक्टर ने कहा कि योग करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है और मन को ऊर्जा मिलती है। दूसरा बोला नियमित आसनों के द्वारा शरीर में स्फूर्ति रहती है व मोटापा नहीं आता। तीसरे ने कहा मानसिक तनाव और रक्तचाप नियंत्रित रहता है, नेत्र ज्योति में भी वृद्धि होती है। तब डॉ. सूरज प्रकाश जी ने पूछा आप सब लोग को योग और आसन के बारे में इतनी जानकारी है आप लोग अवश्य ही योगाभ्यास करते होंगे। अरे डॉक्टर साहब हम लोग तो बहुत व्यस्त हैं, हमें कहा फुर्सत है, हम कहाँ योग कर पाते है। यह घटना बताते डॉ. सूरज प्रकाश जी कहते थे कि समाज में बनावटीपन, कृत्रिमता और हिप्पोक्रेसी आ गई है। इसीसे हमारी बात का प्रभाव नहीं होता है।

गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन-कुछ अभिनव सोच

भिवाड़ी से प्रान्तीय प्रकल्प प्रमुख रंजन अग्रवाल जी के सुझाव क्रियान्वयन के लिए प्रेषित हैः-

- गत वर्ष इस प्रकल्प में सहयोगी विद्यालयों, शिक्षकों से सम्पर्क स्थापित कर उनका सहयोग लें।
- विद्यालयों की संख्या का लक्ष्य बढ़ाकर कार्यक्रम करें।
- भारत सरकार मदरसों के आधुनिकीकरण पर बल दे रही है।
- सामाजिक सोच के बदलाव की दिशा में प्रकल्प का योगदान विचार करें।
- समाज सेवी, जुझारू अध्यापक, शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे है। प्रकल्प के लिए उनका सहयोग लें।

मनस्वी और तेजस्वी

बुद्धि संसार की सबसे बड़ी शक्ति है। जिसके पास बुद्धि है, उसके लिए सृष्टि का कोई भी कार्य ऐसा नहीं जिसे वह न कर सकता हो। किसी अच्छाई या बुराई का मानदंड मूढ़ के लिए केवल दूसरों द्वारा उसे अच्छा या बुरा कह देना मात्र होता है। इनमें विवेक और बुद्धि का अभाव होता है। अकारण दूसरों को हानि पहुँचाने और निन्दा करने में दुर्जन आनन्द पाते हैं। मूर्ख होने के कारण दंड के अभाव में वे भले लोगों के लिए संकट बन जाते हैं। मनस्वी एक बार जो बात स्वीकार लेते हैं, उससे संकट में भी विचलित नहीं होते। पर्वतीय नदी की धारा की तरह वे एक बार आगे बढ़ जाने पर पीछे मुड़ना नहीं जानते। तेजस्वी का तेज प्रतिकूल परिस्थितियों में और अधिक उद्दीप्त होता है। लक्ष्य महान होने के कारण अपने से शक्तिहीन लोगों पर तेज नहीं प्रकट किया जाता। तेजस्वी के सामने अन्याय नहीं टिकता। तेजस्विता जन्मजात होने से किसी समय प्रभाव दिखा देती है। प्राणान्त होने की दशा में दूसरे द्वारा किए गये अपमान से स्वयं को बचाना ही तेज है। महापुरुष धीर और परोपकारी होते हैं। मित्रों के प्रति सच्चे, ईमान्दार होने के कारण अपना स्वार्थ त्यागकर मित्र के कार्य को प्राथमिकता देते हैं। कृतज्ञ, शरणागत-वत्सल भेदरहित रहकर किसी के आगे हाथ नहीं फैलाते। आवश्यकता होने पर किसी मध्यस्थ को रखकर अभ्यर्थना के पूर्ण न होने पर सम्मान बचाते हैं। एक बार कार्य स्वीकार कर लेने पर उसे पूरा करके ही मानते हैं। दयालु और कारुणिक होने से दूसरे के दुख को देखकर इनका हृदय पिघल जाता है। इन्हें धन, जीवन का कोई मोह नहीं होता, केवल अपने यश और मान की चिन्ता रहती है। अपने द्वार से किसी को खाली हाथ लौटाने को महापुरुष मृत्यु से बढ़कर मानते हैं संकट और प्रतिकूलताएँ उन्हें विचलित नहीं करतीं। परमसिद्धि की साधना से निकली वाणाी सत्य की तरह होती है। क्रोध महाविनाशक और करुणा महान उपकारक होती है। जहाँ इनके चरण पड़ते हैं, वह स्थान तीर्थ सा पावन हो जाता है। अन्याय करने वाले समर्पण पर क्षमा कर देते हैं। सज्जन सद्गुणों के अवतार होते हैं। सरल, सौम्य रहते हैं। दूसरे संत के बढ़ते तप, तेज और महत्व को देखकर प्रसन्न होते हैं। कुछ विद्वान अपने विषय के दूसरे विद्वानों के बढ़ते हुए आधार को सहन नहीं कर पाते। गुणवान अपना आत्म-सम्मान बचाते हैं।

– डॉ. हरिप्रसाद दुबे

महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का भारत को नमन्

भारतीय संस्कृति के उत्कृष्ट व्यवहारिक आदर्श मानवता के लिए एक अनुपम भेंट है। 6 अगस्त, 1945 एवं 9 अगस्त, 1945 मानवता के लिए काला दिन थे क्योंकि अमेरिका ने इन दिनों जापान के हिरोशिमा एवं नाकासाकी शहरों पर एटम बम गिराकर महाविनाश का ताण्डव किया था। सारे मानवता कराह उठी थी। उस समय अणु बम के जन्मदाता एवं महान वैज्ञानिक एल्बर्ट विहवल हो उठे एवं अपनी उपलब्धि पर पाश्चाताप के आसू बहा रहे थे। उन्होंने कई दिनों तक कुछ खाया नहीं था, नींद भी पूरी नहीं हो पा रही थी। परमाणु विभीषिका ने उनके हृदय को परिवर्तित कर दिया। उन्होंने बच्चों, किशोरों एवं युवाओं के लिए एक ऐसे शिक्षण खोलने का निश्चय किया जहाँ विज्ञान के साथ आध्यात्म भी अनिवार्य रूप से सिखाया जा सके। संस्था के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने महान विचारक एल्बर्ट स्वाईत्जर को भी आमंत्रित किया था। संस्थान उद्घाटन पर उन्होंने महात्मा गाँधी के बड़े चित्र पर माल्यार्पण करके किया था, ऐसा करते हुए वे भावुक हो उठे एवं रूधे गले से कहा – मैं नमन करता हूँ इन महामानव को जिन्होंने अपनी मातृभूमि की आजादी के लिए विश्व में पहली बार अहिंसात्मक आन्दोलन का प्रवर्तन किया। वे ऐसा इसलिए कर सके क्योंकि वे सही मायने में सच्चे इंसान एवं सच्चे आध्यात्मवेत्ता हैं।

वे भारतीय चिन्तन एवं संस्कृति से इतना प्रभावित थे कि अक्सर कहा करते थे कि भारत की धरती ही संभवत: विज्ञान व आध्यात्म के समन्वय को भविष्य में सिद्ध कर सके। उपर्युक्त उदाहरण भारतीय संस्कृति के प्रति एक महान् वैज्ञानिक का श्रद्धा सुमन।

उत्तरपूर्व भारत प्रवास

पूर्वांचल का चेरापूंजी किसी समय विश्व का सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र माना जाता था। आज वहाँ शुद्ध पानी का अभाव है। यू.एस. कैलिफोर्निया में चित्ताकर्षक पहाड़ियों के कारण प्राकृतिक सम्पदा से भरा था। वहाँ पानी का अभाव हो गया है। वहाँ किचन गार्डेन में कम जल में पनपने वाले पौधे लगाये जा रहे हैं। वैज्ञानिक संगठनों ने पानी के अभाव पर चिन्ता जताई है। वहाँ मांस बढ़ाने के लिए जानवरों की खेती होती है। इस मांस को विश्व के अन्य देशों में भेजा जाता है। पानी की कमी से लोग टिशु पेपर का प्रयोग करते हैं। आकर्षक पैकिंग का कागज रीसाइक्लिंग में भी पानी तथा ऊर्जा का अपव्यय होता है। इसके संतुलन हेतु प्रयास करना उपयोगी होगा।

– **डॉ. युधिष्ठिर त्रिवेदी**, बांसवाड़ा (राजस्थान)

ग्रामोदय से भारत उदय

भारत गाँवों में बसता है। भारत की प्राण-प्रतिष्ठा और आत्मा उसके छह लाख गाँवों में स्थापित है। दस में से हर सात भारतीय गाँवों में आजीविका चलाता है। आजीविका के साधन के रूप में प्रमुख रूप से खेती है। जो साल दर साल घाटे का सौदा बनती जा रही है। गाँव का जीवन दूरुह हैं सुविधाएँ नहीं है। आय के साधन नहीं है। लिहाजा शहरों की तरफ पलायन बढ़ रहा है। इससे पहले तक सरकारों के एजेंडे में औद्योगीकरण जैसे तमाम विषय शामिल रहे, लेकिन ग्रामीणीकरण अब तक कमोबेश उपेक्षित ही रहा।

गाँव के लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए महरूम हैं जिसे आज के कुछ दशक पहले ही उन्हें मिल जाना चाहिए था। ऐसा नहीं है कि चीजें सुधरी नहीं है लेकिन ये सुधार जरूरत के बनिस्बत अपर्याप्त साबित हो रहा है। बुनियादी सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य से लेकर आय के स्रोत बढ़ाने पर जोर देने की जरूरत है। ऐसे में मोदी सरकार का ग्रामोदय के रास्ते भारत उदय लाने का खाका उम्मीद का प्रकाश पुंज साबित हो सकता है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयन्ती से शुरू इस अभियान के अन्तर्गत केन्द्र सरकार का पूरा अमला गाँवों की दशा-दिशा सुधारने के लिए समर्पित रहेगा। ग्रामीण विकास को लेकर चलाई जा रही केन्द्र सरकार की नीतियों से लोगों को जागरूक किया जाएगा। गाँवों की जरूरतों को ज्यादा से ज्यादा जानने-समझने की कोशिश होगी ताकि नीतियों, योजनाओं के माध्यम से प्रभावी रूप से उन्हें दूर किया जा सके।

सरकार शायद गाँवों में बसने वाले भारत की मजबूती में ही देश की मजबूती देख रही है। हमारे शहरों का तो स्तरीय विकास हो चुका है। अब बारी गाँव की है। अगर हमारे गाँव विकास करते हैं। वहाँ के हर बाशिंदे का अगर जीवन स्तर और कल्याण स्तर ऊपर उठता है तो निश्चिततौर पर भारत उदय होना तय होगा। हालांकि चुनौतियाँ बड़ी है। लेकिन सरकार की जिजीविषा इन चुनौतियों से ज्याद सख्त दिख रही है। ऐसे में गाँव के रास्ते भारत उदय करने के मोदी सरकार के सपने की पड़ताल आज हम सबके लिए बड़ा मुद्दा है।

आत्म-सुझाव

स्वयं को सुझाव देना आत्म-सुझाव कहलाता है। व्यक्ति की सफलता और प्रगति का सूचक आत्म-सुझाव ही है। आत्म-सुझाव यानी खुद को किसी निश्चित और विशिष्ट बात का सुझाव देना। व्यक्ति जब परेशानी, पीड़ा और तनाव के दौर से गुजर रहा होता है तो उस समय वह अपनी चेतना खो देता है। डॉ. जोसेफ मर्फी ने अपनी पुस्तक 'द पावर ऑफ योर सबकॉशस माइंड' में लिखा है कि चिन्ता, असफलता और तनाव के समय आत्म-सुझाव व्यक्ति को हर परेशानी से उभारने में सहयोग करते हैं। ऐसे समय अपने शरीर को ढ़ीला छोड़कर आँखें बंद कर लें और स्वयं से बार-बार कहें कि आप असफलता को जल्दी ही सफलता में बदल देंगे। जब यह आत्म-सुझाव व्यक्ति के अवचेतन मन में बैठ जाएगा तो कुछ ही समय में सफलता व्यक्ति की दासी बन जाएगी। हाँ, यह ध्यान अवश्य रखें कि आत्म-सुझाव सदैव सकारात्मक हो, क्योंकि सकारात्मक रूप में ही यह अद्भुत और बेहतरीन है। यदि सकारात्मक आत्म-सुझाव को व्यक्ति अपने जीवन में एक अंग बना लें तो उसके अवचेतन मन की शक्तियाँ सुझाव की प्रकृति के अनुरूप काम करने लगती है। व्यक्ति के शांत और सृजनात्मक आत्म-सुझाव उसे कामयाबी की ओर प्रेरित करते हैं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का कहना था कि मैं स्वयं आत्म-सुझाव और समृद्धि की कद्र करता हूँ।

आत्म-सुझाव और समृद्धि अपने साथ सुरक्षा और आत्मविश्वास लाती है। व्यक्ति को अधिकतर काम में असफलता तब मिलती है, जब वह यह सोचता है कि पता नहीं वह काम कर सकेगा या नहीं फिर कहीं वह विफल तो नहीं हो जाएगा। इन बातों को मन में सोचने से पहले व्यक्ति को यह जानना चाहिए कि अनचाहे ही ऐसा करके वह अपने अवचेतन मन में नकारात्मक आत्म-सुझाव के बीज बो देता है, जिसका परिणाम उसे असफलता के रूप में मिलता है। अपने अवचेतन मन में हमेशा सकारात्मक और अच्छी भावनाओं का विकास करें। सद्भाव और सद्विचार जब व्यक्ति के अंतर्मन में स्थापित हो जाते हैं तो वह आत्म-सुझाव से न सिर्फ स्वयं को सबल बना लेता है, बल्कि अपने इर्द-गिर्द रहने वाले हर व्यक्ति को सबल बना लेता है। **-रेनू सैनी**

यह भी जानिए

1. सबसे लम्बे समय तक जीने वाला जीव कौन-सा है?	कछुआ
2. सबसे कम जीने वाला जीव कौन-सा है?	चींटी
3. कौन से जीव का गुलाबी पसीना निकलता है?	दरयाई घोड़ा
4. कौन से पक्षी का अंडा बड़ा होता है?	शुतुमुर्गा
5. ऐसी कौन-सी जीव जो अपने वजन से पचास गुना वजन उठा लेती है?	चींटी
6. ऐसा कौन-सा जीव है जो दस साल तक बिना खाए-पीए जिन्दा रह सकता है?	मकड़ी

सत्साहस

सत्साहस सफलता की कुंजी है ही, जीवन विकास का जीवन मूल्य भी है। साहस और सत्साहस दो शब्द हैं। आमतौर पर सत्साहस (जिसका मायने निर्भीक और निडर होता है) के अर्थ में लिया जाता है, लेकिन साहस और सत्साहस में फर्क हैं किसी शब्द के आगे जब 'सत्' शब्द लग जाता है तो उसका अर्थ विशेष हो जाता है। जैसे 'गुण' के साथ सत्गुण। गुण के साथ 'सद्' प्रत्यय लगने पर उसका विशेष अर्थ हो जाता है। कहा जाता है कि यदि मानवीय रास्ते पर आगे बढ़ना है तो सत्साहसी बनना होगा। दार्शनिक सुकरात अपने सत्साहस के बल पर हमेशा सत्य ही स्वीकारते और बोलते थे। वह कहा करते थे, 'मैं अज्ञान के पीछे दौड़ने वाला शिकारी कुत्ता हूँ।'

साहस शरीर की शक्ति का नाम है तो सत्साहस आत्मा की शक्ति का नाम है। प्रबल विचारशक्ति के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहना सत्साहस है। दुनिया में सभी महापुरुषों का जीवन सत्साहस से परिपूर्ण दिखाई पड़ता है। अंधकार को चीरने, विकट दुख में भी घबराए बगैर आगे बढ़ते रहने और असंभव को भी संभव करने का नाम है सत्साहस। इंसानियत, देश, समाज और सत्य के लिए मौत को हंसते हुए गले लगाने वाले में सत्साहस का ही आलोक होता है। जब हमारे अन्दर संवेदना अपनी पूर्णता की राह पर बढ़ती जाती है तब सत्साहस हमारे अन्दर इतना भर जाता है कि हम अज्ञान, अनाचार, हिंसा, अमानवीयता और क्रूरता को परास्त कर डालते हैं। सत्य और साहस जब मिल जाते हैं तब व्यक्ति आत्मजयी ही नहीं विश्व विजयी हो जाता है।

सत्य को साहस की यदि किरणें न मिलें तो व्यक्ति कुछ भी नहीं कर सकता है। किसी निर्दोष व्यक्ति पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ सीना तानकर खड़े हो जाना सत्साहस है। कहीं कोई राष्ट्र का अपमान कर रहा है, वहाँ कोई उसका विरोध करने वाला नहीं दिख रहा है, ऐसे में उसका विरोधकर उसे ललकारना भी सत्साहस ही है। किसी को बचाने के लिए जीवन की बाजी लगाना भी सत्साहस ही है। सत्य के प्रति दृढ़ता के साथ अटल चट्टान की तरह दृढ़ बने रहना भी हमारे सत्साहस का ही प्रतीक है। गीता में भगवान कृष्ण सत्साहस को आत्मा का गौरव कहते हैं। ऐसा व्यक्ति जीवन में कभी असफल नहीं हो सकता। **-ओम प्रकाश भटनागर**

झरने का पानी

महात्मा बुद्ध एक बार अपने शिष्य आनंद के साथ कहीं जा रहे थे। वन में काफी चलने के बाद दोपहर में एक बृक्ष तले विश्राम को रूके और उन्हें प्यास लगी।

आनन्द पास स्थित पहाड़ी पर झरने का पानी लेने गया, लेकिन झरने से अभी-अभी कुछ पशु दौड़कर निकले थे जिससे पानी गंदा हो गया था। पशुओं की भाग-दौड़ से झरने के पानी में कीचड़ ही कीचड़ और सड़े पत्ते बाहर उभरकर आ गए थे। गंदा पानी देख आनन्द पानी बिना लिए लौट आया।

उसने महात्मा बुद्ध से कहा कि झरने का पानी निर्मल नही है, मैं पीछे लौटकर नदी से पानी ले आता हूँ। लेकिन नदी बहुत दूर थी तो बुद्ध ने उसे झरने का ही पानी लाने को वापस लौटा दिया।

आन्दन थोड़ी देर में फिर खाली लौट आया। पानी अब भी गंदा था, पर बुद्ध ने उसे इस बार भी वापस लौटा दिया। कुछ देर बाद जब तीसरी बार आनन्द झरने पर पहूँचा, तो देखकर चकित हो गया। झरना अब बिल्कूल निर्मल और शान्त हो गया था।, कीचड़ बैठ गया और जल बिलकूल निर्मल हो गया था।

महात्मा बुद्ध ने उसे समझाया कि यही स्थिति हमारे मन की भी है। जीवन की भाग-दौड़ मन को भी विक्षुब्ध कर देती है, मथ देती है। पर कोई यदि शान्त और धीरज से उसे बैठा देखता रहे तो कीचड़ अपने आप नीचे बैठ जाता है और सहज निर्मलता का आगमन होता है।

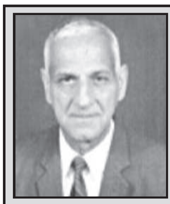

मलोट, पंजाब दक्षिण: परिषद् के वरिष्ठ एवं सक्रिय राष्ट्रीय दायित्वधारी प्रो. सतपाल नरुला जी का 30 मई, 2016 को निधन हो गया। परिषद् परिवार की ओर से भावभीनि श्रद्धांजलि